Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...
रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित
समय दर्शन
ESTD : Since 2011
संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर
निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री
दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
माँ दुर्गा उपासक मां बगुलामुखी, माँ कामख्या, माँ भद्रकाली, माँ शतचंडी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पताः- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 14, अंक 329 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये
दुर्ग, सोमवार 13 अक्टूबर 2025
www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

हवा में उड़ रहे विमान की विंडशील्ड में आई दरार, फ्लाइट की हुई सुरक्षित लैंडिंग

चेन्नई। एक निजी एयरलाइन के विमान की विंडशील्ड उड़ान के दौरान अचानक टूट गई, लेकिन पायलट की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया। विमान में कुल 76 यात्री सवार थे। यह विमान शनिवार को मदुरई एयरपोर्ट से उड़ा था। लैंडिंग से ठीक पहले पायलट ने देखा कि कॉकपिट की सामने वाली विंडशील्ड पर दरार आ गई है। उन्होंने तुरंत एयर ट्रैफिक कंट्रोल को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने जरूरी कदम उठाए और विमान को सुरक्षित रूप से एयरपोर्ट पर उतारा गया। लैंडिंग के बाद यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। विमान की जांच के बाद विंडशील्ड को बदला गया।

एनडीए में सीट बंटवारे को लेकर पूर्व केंद्रीय मंत्री की पोस्ट ने मचाई हलचल

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर अब तक दोनों गठबंधनों में सीट बंटवारे को लेकर उलझे गणित का सूत्र दोनों पार्टियां नहीं ढूंढ पाई हैं। दोनों गठबंधनों में शामिल दल भले ही सभी कुछ ठीक ठाक होने का दावा कर रहे हैं, लेकिन सीट बंटवारे की घोषणा नहीं की गई है। इधर, विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर एनडीए की एक बैठक आज दिल्ली में होने की चर्चा है, लेकिन एनडीए में शामिल राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रमुख और पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा के सोशल मीडिया के एक पोस्ट ने इशारे में बता दिया कि एनडीए में सीट बंटवारे को लेकर पेंच फंसा हुआ है।

दुर्गापुर गैंगरेप केस

सीएम ने लड़कियों को रात में न निकलने की सलाह दी...

कोलकाता/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में मेडिकल छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म की वारदात पर सीएम ममता बनर्जी ने पहली प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा ये वारदात चौंकाने वाला है; हमारी सरकार ऐसी घटनाओं को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करती। सीएम ममता बनर्जी ने आगे कहा कि, वारदात में शामिल तीन आरोपी गिरफ्तार कर लिए गए हैं, पुलिस अन्य की तलाश कर रही है; किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। इस दौरान सीएम ममता ने ये भी कहा कि, निजी कॉलेजों को परिसर के भीतर और आसपास सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि, 'वह लड़की निजी मेडिकल कॉलेज में पढ़ रही थी, इसलिए निजी मेडिकल कॉलेज की जिम्मेदारी है कि वे रात के 12.30 बजे कैसे बाहर आ गईं। जहां तक मुझे पता है कि यह वन क्षेत्र में हुआ था, इसलिए 12.30 बजे मुझे नहीं पता कि क्या हुआ, जांच जारी है... पुलिस जांच कर रही है, किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा, दोषियों को कड़ी सजा दी जाएगी। 3 लोग पहले ही गिरफ्तार हो चुके हैं। वहीं इस मामले में विपक्ष की तरफ से सरकार पर निशाना साधे जाने पर सीएम ममता ने पलटवार भी किया है। उन्होंने कहा, 'आप मुझे बताइए कि ओडिशा में तीन सप्ताह पहले समुद्र तट पर तीन लड़कियों के साथ बलात्कार हुआ, ओडिशा सरकार ने क्या कार्रवाई की और बंगाल में अगर महिलाओं के साथ कुछ भी होता है तो हम इसे सामान्य मामला नहीं मानते, यह एक गंभीर मामला है।' उन्होंने आगे कहा कि 'अगर ऐसा दूसरे राज्यों में भी होता है तो भी यह निंदनीय है। हमने उत्तर प्रदेश, बिहार और ओडिशा में भी ऐसे कई मामले देखे हैं, इसलिए सरकार को कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। बता दें कि, ओडिशा के जलेश्वर की रहने वाली छात्रा के साथ दुर्गापुर में कुछ लोगों ने पर दुष्कर्म किया। छात्रा की हालत अब स्थिर बताई जा रही है, उसका अस्पताल में ही इलाज चल रहा है और उसने पुलिस को अपना बयान दे दिया है। यह घटना शोभापुर के पास स्थित मेडिकल कॉलेज परिसर में हुई। छात्रा रात में अपने एक पुरुष मित्र के साथ कॉलेज कैंपस के बाहर खाना खाने गई थी। इस दौरान कैंपस गेट के पास ही एक आरोपी ने उसे जबरन पीछे के सुनसान इलाके में खींच लिया और दुष्कर्म की वारदात को किया। इसके बाद बाकी आरोपियों ने भी घिनौने कृत्य को अंजाम दिया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने घटना पर टिप्पणी करते हुए कहा, 'यह एक निजी कॉलेज है। तीन हफ़्ते पहले, ओडिशा में समुद्र तट पर तीन लड़कियों के साथ बलात्कार हुआ था। ओडिशा सरकार क्या कार्रवाई कर रही है?'उन्होंने घटना के लिए कॉलेज प्रशासन और छात्रा दोनों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, 'लड़की एक निजी मेडिकल कॉलेज में पढ़ रही थी। वह रात के 12:30 बजे कैसे बाहर आ गई? जहां तक मुझे पता है, घटना जंगल में हुई थी। मुझे नहीं पता कि क्या हुआ। जांच जारी है।

मेडिकल छात्रा से बलात्कार मामले में तीन आरोपियों को 10 दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया

पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में एक निजी मेडिकल कॉलेज की छात्रा के साथ सामूहिक बलात्कार के आरोप में गिरफ्तार तीन लोगों को रविवार को एक अदालत ने 10 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया. आरोपियों पर सामूहिक बलात्कार और आपराधिक साजिश के आरोप लगाए गए हैं. दुर्गापुर के एसडीजेएम ने तीनों आरोपियों को 10 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया.अभियोजन पक्ष के वकील ने कथित अपराध में संलिप्त अन्य लोगों को गिरफ्तार करने के लिए पूछताछ के वास्ते उनकी पुलिस हिरासत का अनुरोध किया. ओडिशा की रहने वाली मेडिकल कॉलेज की छात्रा के साथ शुक्रवार रात पश्चिम बर्धमान जिले के दुर्गापुर स्थित निजी मेडिकल कॉलेज परिसर के बाहर कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार किया गया।

छात्रों से संवाद का एक वीडियो भी साझा

राहुल बोले-शिक्षा कुछ लोगों का विशेषाधिकार नहीं बननी चाहिए

नयी दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि भारत को ऐसी शिक्षा प्रणाली की जरूरत है जो देश की समृद्ध विविधता को प्रतिबिंबित करे और यह कुछ लोगों का विशेषाधिकार न बने. उन्होंने कहा कि यह स्वतंत्रता का आधार है. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी ने यह भी कहा कि भारत को एक वैकल्पिक विनिर्माण प्रणाली बनाने की आवश्यकता है और इसके लिए अमेरिका या पेरू के साथ साझेदारी एक संभावित रास्ता हो सकता है. कांग्रेस नेता गांधी ने पेरू की पोंटिफिकल कैथोलिक यूनिर्विसटी और यूनिर्विसटी ऑफ चिली के छात्रों के साथ बातचीत में शिक्षा, लोकतंत्र और भू-राजनीति पर केंद्रित एक गहन संवाद किया. कांग्रेस ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर गांधी के हवाले से कहा, भारत को एक वैकल्पिक विनिर्माण प्रणाली बनाने की जरूरत है जो लोकतांत्रिक व्यवस्था में फले-फूले. इसलिए, पेरू या अमेरिका के साथ साझेदारी आगे का रास्ता हो सकता है. इसके साथ ही कांग्रेस ने दक्षिण अमेरिका में छात्रों के साथ गांधी के संवाद का एक वीडियो भी साझा किया. गांधी ने कहा, जब शिक्षा की बात आती है तो इसकी शुरुआत जिज्ञासा से होती है। और खुले विचारों से सोचने, बिना किसी डर या सामाजिक-राजनीतिक बंधनों के प्रश्न पूछने की आजादी से. शिक्षा कुछ चुनिंदा लोगों के लिए कोई विशेषाधिकार नहीं बननी चाहिए, क्योंकि यही स्वतंत्रता की असली बुनियाद है. भारत को ऐसी शिक्षा प्रणाली की जरूरत है जो वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा दे।

आलोचनात्मक विचारों को प्रोत्साहित करे और हमारे देश की समृद्ध विविधता को प्रतिबिंबित करे. कांग्रेस ने कहा कि गांधी ने पेरू की पोंटिफिकल कैथोलिक यूनिर्विसटी और यूनिर्विसटी ऑफ चिली का दौरा किया तथा छात्रों के साथ खुलकर बातचीत की. इसने कहा, यह गहन संवाद शिक्षा, लोकतंत्र और भू-राजनीति पर केंद्रित रहा तथा इस बात पर भी केंद्रित रहा कि आज के बहुध्रुवीय विश्व में भारत को किस प्रकार आगे बढ़ना चाहिए. गांधी कोलंबिया, ब्राजील, पेरू और चिली की एक सप्ताह की यात्रा पर थे.

पहली पत्नी के होते हुए दूसरी शादी करने वाले मुस्लिम शख्स को झटका

रांची। झारखंड हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया है कि यदि कोई व्यक्ति 'स्पेशल मैरिज एक्ट, 1954' के तहत शादी करता है, तो उस पर किसी भी व्यक्तिगत या धार्मिक कानून के बजाय यही कानून सर्वोपरि होगा। अदालत ने पहली पत्नी के जीवित रहते दूसरी शादी करने वाले धनबाद के एक पैथोलॉजिस्ट की उस दलील को खारिज कर दिया, जिसमें उसने इस्लामिक कानून के तहत चार शादियों को वैध बताते हुए अपने दूसरे विवाह को सही ठहराने की कोशिश की थी। यह मामला धनबाद के रहने वाले पैथोलॉजिस्ट मोहम्मद अकील आलम से जुड़ा है।

आलम ने 4 अगस्त, 2015 को स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत दूसरी शादी की थी। हालांकि, कुछ महीनों बाद ही उसकी दूसरी पत्नी उसे छोड़कर अपने मायके देवघर चली गई।

प्रियांक खरगे का सरकार पत्र

संघ को स्कूल-कॉलेज और पार्क में कार्यक्रम की न दी जाए अनुमति

बेंगलुरु/ एजेंसी

कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खरगे ने मुख्यमंत्री सिद्धरमैया से राज्य भर के सरकारी संस्थानों और सार्वजनिक परिसरों में आरएसएस की सभी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया है. उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियां भारत की एकता और संविधान की भावना के विपरीत हैं. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के पुत्र, प्रियंक ने चार अक्टूबर को मुख्यमंत्री सिद्धरमैया को लिखे एक पत्र में आरोप लगाया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के साथ-साथ सार्वजनिक मैदानों पर भी अपनी 'शाखायें' चला रहा है, जहां 'नारे लगाए जाते हैं और बच्चों एवं युवाओं के मन में नकारात्मक विचार भरे जाते हैं.' मुख्यमंत्री कार्यालय ने रविवार को यह पत्र मीडिया के साथ साझा किया. इसमें मुख्यमंत्री का एक नोट भी संलग्न है जिसमें अधिकारियों से इस पर विचार करने और इस संबंध में उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है. प्रियंक ने कहा कि संघ की विचारधारा 'भारत की एकता और धर्मनिरपेक्ष ढांचे के आदर्शों के विपरीत है.' मंत्री ने लिखा, जब लोगों के बीच नफरत फैलाने वाली विभाजनकारी ताकतें अपना सिर उठाती हैं। तो हमारा संविधान, जो अखंडता, समानता और एकता के मूल सिद्धांतों पर आधारित है, हमें ऐसे तत्वों पर अंकुश लगाने और राष्ट्र के धर्मनिरपेक्ष मूल्यों को बनाए रखने का अधिकार देता है. उन्होंने आरोप लगाया, पुलिस की अनुमति के बिना, लाठी-डंडे लेकर आक्रामक प्रदर्शन किए जा रहे हैं. उन्होंने दावा किया, इसका बच्चों और युवाओं पर हानिकारक मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ सकता है.सरकार से कड़े हस्तक्षेप की मांग करते हुए प्रियंक ने कहा, देश के बच्चों, युवाओं, जनता और समग्र समाज की भलाई के लिए, मैं विनम्रतापूर्वक अनुरोध करता हूँ कि आरएसएस द्वारा संचालित सभी प्रकार की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाया जाए, चाहे वे 'शाखा', 'सांघिक' या 'बैठक' के नाम से हों. उन्होंने कहा कि यह प्रतिबंध सरकारी स्कूलों, सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों, सार्वजनिक खेल के मैदानों, पार्कों, मुजराई विभाग के अधीन मंदिरों, पुरातत्व विभाग के अधीन स्थलों और किसी भी अन्य सरकारी परिसर पर लागू होना चाहिए.

तालिबान का 58 पाकिस्तानी सैनिकों को मारने का दावा

नई दिल्ली/ एजेंसी। अफगानिस्तान में पाकिस्तानी हवाई हमलों के बाद जवाबी कार्रवाई में 58 पाकिस्तानी सैनिकों के मारे जाने के तालिबान के दावे से पाकिस्तान और अफगानिस्तान सीमा पर तनाव चरम पर पहुंच गया है। तालिबान ने पाकिस्तान पर आईएसआईएस आतंकवादियों को पनाह देने का भी आरोप लगाया है। तालिबान प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने रविवार को एक बयान में दावा किया कि बहरामपुर जिले में डूरंड रेखा के पास जवाबी हमलों में कम से कम 58 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए और 30 से ज्यादा घायल हुए। उन्होंने पाकिस्तान को किसी भी 'हमले का जवाब दिए बिना न छोड़ने' की चेतावनी दी। मुजाहिद ने पाकिस्तान पर सीधा और गंभीर आरोप लगाते हुए कहा, 'पाकिस्तान ने अपनी धरती पर आईएसआईएस की मौजूदगी पर आंखें मूंद ली हैं। पाकिस्तान को अपनी धरती से छिपे हुए आईएसआईएस के महत्वपूर्ण सदस्यों को बाहर निकालना चाहिए या उन्हें इस्लामिक अमीरात को सौंप देना चाहिए।' उन्होंने दावा किया कि तालिबान ने अपने क्षेत्र से अशांति फैलाने वालों को हटा दिया है, लेकिन उन्होंने पाकिस्तान के पश्तूनख्वा में नए केंद्र स्थापित कर लिए हैं। मुजाहिद ने दस्तावेजी सबूत होने का दावा करते हुए कहा कि कराची और इस्लामाबाद हवाई अड्डों के जरिए रंगरूटों को प्रशिक्षण के लिए लाया जाता था और अफगानिस्तान में हमलों की योजना इन्हीं केंद्रों से बनाई जा रही है। मुजाहिद ने स्वीकार किया कि इन झड़पों में इस्लामिक अमीरात बलों के भी 20 से ज्यादा सदस्य मारे गए या घायल हुए। जवाबी हमलों का बचाव करते हुए उन्होंने दोहराया, 'अफगानिस्तान को अपनी हवाई और जमीनी सीमाओं की रक्षा करने का अधिकार है और वह किसी भी हमले का जवाब दिए बिना नहीं रहेगा।' मुजाहिद ने कहा कि कतर और सऊदी अरब के अनुरोध पर अंततः हवाई हमले रोक दिए गए थे। दूसरी ओर, पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफने अफगानिस्तान के भीतर हुए हवाई हमलों की निंदा की। हालांकि, उन्होंने तालिबान के हमलों के दावे को नकारते हुए कहा कि पाकिस्तानी सेना ने न केवल अफगानिस्तान के उकसावे का करारा जवाब दिया। बल्कि उनकी कई चौकियां भी नष्ट कर दीं।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार

"मौसम के जोखिमों से हमारे मेहनती किसान भाई-बहनों के हितों को सुरक्षित करने में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना काफी कारगर साबित हो रही है। इसका लाभ करोड़ों किसानों को मिल रहा है।"
– नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

मेरी पॉलिसी मेरे हाथ
- खरीफ 2025 की फसल बीमा पॉलिसी पाएं
- आने वाले रबी मौसम में भी फसल बीमा अवश्य कराएं

फसल बीमा कराओ, सुरक्षा कवच पाओ

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की 9 वर्षों की उपलब्धियां
- 82+ करोड़ किसान आवेदन प्राप्त
- ₹1.93+ लाख करोड़ का क्लेम स्वीकृत, उसमे से ₹1.89+ लाख करोड़ का किसानों को भुगतान
- 23+ करोड़ किसान आवेदनों को फसल बीमा का लाभ
- राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल द्वारा पारदर्शी एवं त्वरित दावा भुगतान

देशव्यापी हेल्पलाइन 14447

मेरी पॉलिसी मेरे हाथ
महा अभियान
1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर, 2025

आपके गांव में आयोजित शिविर एवं फसल बीमा पाठशाला में ज़रूर आएं
- अपनी फसल बीमा पॉलिसी पाएं
- जानें फसल हानि की सूचना देने की प्रक्रिया, क्लेम एवं शिकायत निवारण व्यवस्था
- साथ ही पाएं आगामी रबी मौसम में फसलों का बीमा कराने की पूरी प्रक्रिया एवं मार्गदर्शन

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

बीमा भागीदार AIC BAJAJ GENERAL Chola MS GENERALI Central HDFC ERGO ICICI Lombard IFFCO-TOKIO Kshema Oriental Insurance RELIANCE GENERAL INSURANCE SBI general TATA AIG Universal Sompo General Insurance

योजना से संबंधित अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
नजदीकी कृषि विभाग कार्यालय | जनसेवा केंद्र | क्रॉप इंश्योरेंस ऐप https://play.google.com | पोस्ट ऑफिस | बैंक शाखा | @PMFBY
योजना से संबंधित अधिक जानकारी के लिए QR कोड स्कैन करें

संक्षिप्त समाचार

सावनी में अंत्योदय स्वरोजगार स्वालंबन योजना के तहत महिलाओं को मिला सिलाई मशीन

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम पंचायत सावनी में अंतोदय स्वरोजगार स्वालंबन योजना के तहत महिलाओं को इलेक्ट्रिश सिलाई मशीन का पात्र हितग्राहियों को प्रदान किया गया। इस अवसर पर सरपंच श्रीमती रामेश्वरी हेमंत जांगड़े व महिला समूह की सक्रिय सदस्य मधु चंद्राकर, देवकी, चंद्र कला कविता, अन्य सभी हितग्राहियों को मशीन प्रदान किया गया।

साहू समाज झीट परिक्षेत्र का चुनाव होगा रोमांचक, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष संगठन सचिव पर सीधा मुकाबला

पाटन (समय दर्शन)। तहसील साहू समाज पाटन के झीट परिक्षेत्र का चुनाव काफी रोमांचक होने वाला है। अध्यक्ष, उपाध्यक्ष संगठन सचिव पर सीधा मुकाबला होगा। सभी पद के लिए दो दो प्रत्याशी चुनाव मैदान में है। इससे चुनाव में सीधा मुकाबला देखने को मिल रहा है। बता दे कि झीट परिक्षेत्र में एक अध्यक्ष , दो उपाध्यक्ष , दो संगठन सचिव पद पर चुनाव को घोषणा की गई है। चुनाव पर्यवेक्षक के रूप खेमलाल साहू , सहयोगी के रूप में हरिशंकर साहू, तहसील साहू संघ के निवर्तमान अध्यक्ष दिनेश साहू पूरी चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न करा रहे है। साहू समाज में चुनाव को लेकर काफी उत्साह समाज के मतदाताओं में देखने को मिल रहा है। बता दे कि दो परिक्षेत्र में चुनाव संपन्न हो चुका है। यहां पर 15 अक्टूबर को मतदान होगा। जिसके बाद मतों की गिनती कर चुनाव परिणाम की घोषणा की जाएगी।

गरीब परिवार पर टूटा मुसीबतों का पहाड़, बारिश का पानी झोपड़ी में कहर बनकर टूटा, बारिश से मकान ध्वस्त, फुंडा में दो बच्चे बाल बाल बचे

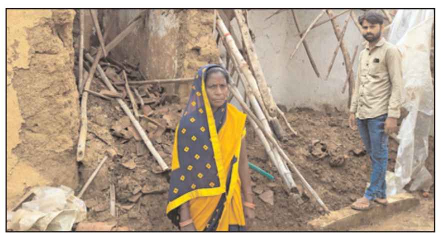

पाटन (समय दर्शन)। पिछले दिनों हुई बारिश ने पाटन ब्लॉक के ग्राम फुंडा में रहने वाले एक गरीब परिवार पर कहर बनकर टूटा। बारिश से पूरा घर भरभरा कर गिर गया। जिस समय घर का पूरा दिवाल और लकड़ी गिरा उस समय दो बच्चे घर में सो रहे थे। मिट्टी गिरते देख दोनों अपनी जान बचाकर घर से बाहर निकले। दिवाली से पहले गरीब परिवार का आशियाना टूटने से पूरा सपना चकनाचूर हो गया है। अभी ग्रामीणों की मदद से एक शासकीय भवन पर अस्थाई रूप से उक्त महिला अपने परिवार के साथ गुजर बसर कर रहे है। पूरा मामला यह है कि बारिश से ग्राम फुंडा में रहने वाली अनीता यादव अपने पति, चार बच्चे और सास ससुर के साथ कच्ची मकान में मजदूरी कर गुजर बसर करती है। पिछले दिनों हुई बारिश से मकान गिर गया। जिससे कि ममता के सपनों का आशियाना उनके आंखों के सामने ही बिखर गई। अभी वर्तमान में गांव के ही शासकीय भवन में अस्थाई रूप से रह रहे है। लेकिन अब उनके घर में खाने के लिए एक दाना भी नहीं है। ऐसे में उजड़े हुए आशियाना को फिर से कैसे बनाए इसी बात की चिंता अनीता यादव को सता रही है।

महिलाओं ने कब्बडी में दम दिखाई, सांसद खेल महोत्सव के तहत हुआ आयोजन, कुर्सी दौड़ में जनपद अध्यक्ष कीर्ति दूसरे स्थान पर

पाटन (समय दर्शन)। सांसद खेल महोत्सव के तहत को ग्राम पंचायत बटंग के हाई स्कूल ग्राउंड में प्राइमरी एवं मिडिल स्कूल के बच्चे एवं गांव की महिलाओ ने खेलकूद में हिस्सा लिया। जनपद अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति नायक भी इस अवसर पर प्रतिभागी के रूप में शामिल हुई। कब्बडी स्पर्धा के रोमांचक मुकाबले में जनपद अध्यक्ष की टीम ने एक अंक से जीत हासिल किया । वही कुर्सी दौड़ में जनपद अध्यक्ष कीर्ति नायक दूसरे नंबर पर रही। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण स्कूली बच्चे और शिक्षक मौजूद रहे।

सृष्टि कॉलोनी में अवैध निर्माण पर फूटा आक्रोश, नागरिकों ने किया विरोध प्रदर्शन

राजनांदगांव। सृष्टि कॉलोनी में अवैध निर्माण और अतिक्रमण को लेकर नागरिकों का गुस्सा फूट पड़ा। कॉलोनीवासियों ने एकजुट होकर अवैध कब्जे के खिलाफमोर्चा खोलते हुए विरोध प्रदर्शन किया। उनका आरोप है कि कुछ लोगों द्वारा कॉलोनी की सार्वजनिक भूमि, गार्डन, प्ले ग्राउंड और सड़क पर अवैध रूप से कब्जा किया जा रहा है, जिससे न केवल नागरिकों को असुविधा हो रही है, बल्कि आने-जाने में भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

कॉलोनीवासियों ने बताया कि जहां पहले कॉलोनी की मुख्य सड़क से दो वाहन आसानी से निकल जाया करते थे, अब वहां एक वाहन भी मुश्किल से गुजर पा रहा है। कई स्थानों पर पेड़ लगाकर उनकी आड़ में बाउंड्री वॉल खड़ी की जा रही है और सरकारी जमीन पर धीरे-धीरे कब्जा जमाया जा रहा है।

स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि स्कूल जाने वाले बच्चों की बसों का आना-जाना भी प्रभावित हो गया है। नागरिकों ने इस मुद्दे को लेकर नगर निगम आयुक्त, महापौर और वार्ड पार्षद को ज्ञापन सौंपते हुए अविलंब कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही अवैध निर्माण नहीं हटाए गए तो वे बड़ा आंदोलन करेंगे। अवैध कब्जे के साथ ही कॉलोनी की सामूहिक बोरिंग के निजी उपयोग को लेकर भी नाराजगी देखने को मिली। कॉलोनी के लगभग 70 से अधिक नागरिक सड़क पर उतर आए और जमकर विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के दौरान नागरिकों ने बताया कि उन्होंने पहले शांति से बात कर समस्या को सुलझाने की कोशिश की, लेकिन संबंधित लोगों का रवैया टालमटोल और असहयोगपूर्ण रहा।

स्थिति चोरी ऊपर से सीना जोरी जैसी हो गई, जिससे कॉलोनीवासियों का धैर्य जवाब दे गया। मौके पर वार्ड पार्षद भी मौजूद रहीं और उन्होंने नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए निगम प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की।

कॉलोनीवासियों की प्रमुख मांगों में कॉलोनी की सार्वजनिक भूमि से अवैध कब्जा तत्काल हटाया जाए। गार्डन, प्ले ग्राउंड और सड़क जैसी सुविधाएं सुरक्षित रखी जाएं। सामूहिक बोरिंग का दुरुपयोग रोका जाए और दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो। भविष्य में ऐसे अतिक्रमण को रोकने के लिए सख्त निगरानी की जाए।

कॉलोनीवासियों ने स्पष्ट किया है कि यदि नगर निगम जल्द कार्रवाई नहीं करता, तो वे चरणबद्ध आंदोलन की रणनीति अपनाएंगे। उनका कहना है कि यह केवल जमीन का नहींए बल्कि उनकी सुविधाओं और अधिकारों का प्रश्न है। अब देखना यह होगा कि नगर निगम प्रशासन इस मामले में कितनी तत्परता दिखाता है और नागरिकों की नाराजगी को शांत करने के लिए क्या कदम उठाए जाते हैं।

बीडब्ल्यूएफविश्व जूनियर चैंपियनशिप 2025 : चीन ने इंडोनेशिया को हराकर 15वीं बार सुहांदिनाता कप जीता; भारत और जापान को कांस्य पदक

JUNIOR CHAMPIONSHIPS 2025

गुवाहाटी: बैडमिंटन की दिग्गज टीम चीन ने दबाव के बावजूद अपनी लय बरकरार रखते हुए शनिवार को यहां बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप 2025 के फाइनल में गत चैंपियन इंडोनेशिया को 2-0 से हराकर 15वीं बार सुहांदिनाता कप अपने नाम कर लिया। चीन ने फाइनल में एशियाई जूनियर चैंपियनशिप के तीन मौजूदा व्यक्तिगत स्वर्ण पदक विजेताओं और दो रजत पदक विजेताओं के साथ कदम रखा था। दूसरी ओर इंडोनेशिया को पिछले साल जीता गया खिताब बरकरार रखने के लिए अपने कुछ खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन की जरूरत थी। लेकिन चीन का शानदार प्रदर्शन रुका नहीं और उसने इंडोनेशियाई खिलाड़ियों को महज दो घंटे से भी कम समय में 45-30, 45-44 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। मेजबान भारत और जापान ने सेमीफाइनल में हारकर कांस्य पदक जीते। एशियाई जूनियर गर्ल्स डबल्स चैंपियन काओ ज़ी हान और चेन फैन शू तियान ने पहले मैच में रिस्का अंगग्रेनी और रिंजानी नास्टाइन को 9-8 से हराकर पहला सेट चीन के लिए आसान बना दिया। इसके बाद चीन ने हर मैच जीतकर सेट अपने नाम किया। दूसरा सेट भी काफ़ी उतार-चढ़ाव भरा रहा क्योंकि रिस्का और रिंजानी ने अपने विरोधियों पर पलटवार करते हुए इंडोनेशिया को 9-5 की बढ़त दिला दी। हालाँकि, चेन जुन टिंग और काओ ने 8-13 से पिछड़ने के बाद वापसी की और अगले 11 में से 10 अंक जीतकर चीन को 18-14 से फिर से बढ़त दिला दी। एशियाई जूनियर चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता लियू सी या को इसके बाद थलिता विर्यावान ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन उन्होंने चीन के लिए तीन अंकों की बढ़त 27-24 पर बनाए रखने के लिए पर्याप्त प्रयास किया। ऐसा लग रहा था कि विश्व जूनियर नंबर 1 मोह ज़की उबैदिल्लाह इंडोनेशिया को चीन के खिलाफ बढ़त दिलाने में कामयाब रहे। एक समय ऐसा भी आया जब उन्होंने तुरंत स्कोर 27-27 से बराबर कर दिया और स्कोर 31-31 तक बराबरी पर रहा। लेकिन चीन के लियू यांग मिंग यू ने रैलियों में अपनी पकड़ बनाए रखी और अपने प्रतिद्वंद्वी को गलतियाँ करने पर मजबूर किया और सेट के आखिरी मैच में लड़कों की युगल जोड़ी को चार अंकों की बढ़त दिला दी।

सेट का आखिरी मैच चारों खिलाड़ियों के लिए हिम्मत की परीक्षा था क्योंकि इंडोनेशिया के एलेक्सियस सुबागियो और रेहान प्रमोनो ने 40-39 के अंतर को कम किया और फिर 44-43 के स्कोर पर एक सेट पॉइंट हासिल किया। लेकिन चेन जुन टिंग और लियू जुन रोंग ने दबाव में भी अपनी हिम्मत नहीं हारी और इंडोनेशियाई खिलाड़ियों से एक और गलती करवाकर मैच अपने नाम कर लिया। बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप 2025 में रविवार को आराम का दिन होगा और आई लेवल कप के लिए व्यक्तिगत चैंपियनशिप सोमवार से शुरू होंगी।

ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल, बनारी, जाँजगीर में जूनियर डॉजबॉल राज्य चयन परीक्षण का आयोजन

जांजगीर चांपा समय दर्शन / ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल, बनारी, जाँजगीर में संस्था के संचालक श्री आलोक अग्रवाल, डॉ. गिरिराज गढ़ेवाल एवं प्राचार्या श्रीमती सोनाली सिंह जी के निर्देशन में दिनाँक-12 अक्टूबर 2025 को जूनियर डॉजबॉल राष्ट्रीय चैम्पियनशीप 2025-26 के तहत राज्य स्तर पर खिलाड़ियों का चयन परीक्षण किया गया। इस चयन परीक्षण में छत्तीसगढ़ राज्य के विभिन्न जिलों से प्रतिभागी खिलाड़ी सम्मिलित हुए। इन जिलों में प्रमुख रूप से बिलासपुर, जांजगीर एवं कोरबा के प्रतिभागी के उपस्थित रहें। खिलाड़ियों का चयन इनकी प्रतिभा एवं प्रदर्शन के माध्यम से किया गया। इस चयन परीक्षण गतिविधि में प्रमुख रूप से श्री गगन सिंह (सचिव-डॉजबॉल छत्तीसगढ़), श्री आशिष राउत (तकनीकी प्रमुख डॉजबॉल छत्तीसगढ़), श्री विकास (कांकेर), श्री गिरजा प्रसाद (खेल शिक्षक) एवं सुश्री यामिनी गंधर्व (खेल शिक्षक) उपस्थित रहें। इन प्रशिक्षकों के देख-रेख में विद्यार्थियों का परीक्षण किया गया। ब्रिलियंट परिवार द्वारा इन प्रतिभागियों के लिये स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई थी। प्रतिभागी खिलाड़ी इस आयोजन से उत्साहित नज़र आए। ब्रिलियंट संस्था द्वारा इनकी उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाएँ दी गई। इस गतिविधि के सफल संचालन में संस्था के एडमिन स्टॉफ एच.ओ.डी इंचार्जेस, ग्रुप डी स्टॉफउपस्थित रहें।

राम सही देवता ल बनवास काबर देहे गा डोंगाकोहरौद में बह रही राम रस की धारा

श्री अखण्ड नवधा रामायण

जांजगीर चांपा समय दर्शन / पामगढ़ के समीपस्थ ग्राम डोंगाकोहरौद में राम रस की धारा बह रही है जिसमें स्थानीय मानस गायकों के अलावा अन्य गांवो से मानस मंडलियां रामचरित गायन के लिए पहुंच रहे हैं । ज्ञात हो कि यहां 8 अक्टूबर से अखंड नवधा रामायण प्रारंभ हुआ जिसमें निरंतर 24 घण्टे मानस गायन के साथ प्रवचन किया जा रहा है। इस कड़ी में आज चौथे दिवस दोपहर में स्थानीय संगीत कलाकार सेवानिवृत प्रधान पाठक अश्वनी श्रीवास द्वारा सुंदर गीत भजन के साथ मानस गायन व प्रवचन श्रोताओं को सुनाया गया , तत्पश्चात छत्तीसगढ़ी कलाकार हेमलाल पटेल राम सही देवता ला काबर बनवास दे हे गा सहित अन्य गीतों के साथ मानस गायन व प्रवचन श्रोताओं को सुनाया वहीं सेवानिवृत प्राचार्य व साहित्यकार संतोष कश्यप द्वारा मार्मिक ढंग से प्रवचन कहे गए । मानस मंडलियों का किया जा रहा सम्मान / अखंड नवधा रामायण में मानस गायन के लिए पहुंच रहे गायकों एवं टीकाकारों का सम्मान आयोजन समिति द्वारा मंडलियों की दुरी के हिसाब से सहयोग राशि व श्रीफल भेंटकर किया जा रहा है। इस कड़ी में आज ग्राम बरदा , खपरी , ससहा से पहुंचे मानस गायकों का सम्मान देवकुमार पाण्डेय , राजाराम पटेल द्वारा किया गया । कार्यक्रम का संचालन अश्वनी श्रीवास , पुरुषोत्तम कौशिक , मनीष कश्यप द्वारा किया जा रहा है। । दोनो समय मिल रहा भंडारा प्रसाद / अखंड नवधा रामायण के आयोजन में समिति द्वारा दोनो समय की भंडारा भोजन के साथ चाय नाश्ते की व्यवस्था मानस गायकों व श्रोताओं के लिए किया जा रहा है जिसके लिए समिति के कार्यकर्ता सदस्य दिन भर जुटे रहते हैं। इन सदस्यों में गोपी कौशिक , होरीलाल कश्यप, राजू विश्वकर्मा , खिखराम कश्यप , सुखसागर श्रीवास, संजू कौशिक , मंटू कौशिक , रामचरण कश्यप , जय श्रीवास , विजय श्रीवास , नंदकुमार कश्यप , परदेशी धीवर सहित अन्य सदस्य शामिल है।

किशनपुर पंचायत सचिव पुनीत सिन्हा हटाए गए

पिथौरा (समय दर्शन)। विकासखण्ड पिथौरा के ग्राम पंचायत किशनपुर में लंबे समय से चल रहे भ्रष्टाचार के आरोपों और ग्रामीणों के विरोध के बाद जिला पंचायत सीईओ ने बड़ा प्रशासनिक कदम उठाया है।

पंचायत सचिव पुनीत सिन्हा को तत्काल प्रभाव से किसानपुर पंचायत से हटा कर कार्यलय संलग्न किया है ।

आरोपों पर जांच जारी , हटने का कारण 'प्रशासनिक'- जिला पंचायत सीईओ हेमंत नंदनवार ने पुनीत सिन्हा को हटाने के पीछे प्रशासनिक कारणों का हवाला दिया है। यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है जब किशनपुर के उपसरपंच समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण लगातार उन पर वित्तीय अनियमितता और कार्यों में मनमानी के आरोप लगा रहे थे। ग्रामीणों ने निष्पक्ष जांच के लिए उन्हें पद से हटाने की मांग की थी।

प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, ग्रामीणों द्वारा लगाए गए इन गंभीर भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच अभी भी जारी है। यह स्पष्ट किया गया है कि पुनीत सिन्हा को आरोपों के चलते हटाया गया है, यह कदम यह सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है कि जांच प्रक्रिया निष्पक्ष और बिना किसी बाधा के पूरी हो सके।

चरभाठा के सचिव को मिला अतिरिक्त प्रभार- पुनीत सिन्हा को हटाए जाने के बाद, जिला पंचायत सीईओ ने पंचायत के दैनिक कार्यों को प्रभावित होने से बचाने के लिए तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था की है। चरभाठा के सचिव तुलाराम को ग्राम पंचायत किशनपुर का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

किशनपुर के ग्रामीणों ने इस फैसले पर संतोष व्यक्त किया है और इसे अपनी मांग की जीत बताया है। अब सभी की निगाहें प्रशासनिक जांच के अंतिम निष्कर्षों पर टिकी हैं, जिससे आरोपों की सच्चाई सामने आ सकेगी।

मिट्टी ने बदली तकदीर - बंजर ज़मीन पर लहलहाई हरियाली, किसान रामनारायण ने मनरेगा से रची सफलता की कहानी

भूमि समतलीकरण से उपजाऊ बने खेत, बढ़ी रामनारायण की उम्मीदें

मनरेगा के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिला संबल

जांजगीर-चांपा/ महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत भूमि समतलीकरण कार्य से किसान रामनारायण के चेहरे पर खुशियां लौट आई हैं। जिस खेत में पहले ऊबड़-खाबड़ ज़मीन और पानी का ठहराव खेती में बाधा बनता था, अब वहीं हरी-भरी फसलें लहलहा रही हैं। जिले की बलौदा विकासखण्ड की ग्राम पंचायत बगडबरी में किसान की बंजर और असमतल भूमि को मनरेगा से समतल कर खेती योग्य बनाया गया। इस कार्य से न केवल मिट्टी और जल संरक्षण में सुधार हुआ, बल्कि ग्रामीण को रोजगार भी मिला। मनरेगा योजना के तहत किए गए भूमि समतलीकरण कार्य ने ग्राम पंचायत बगडबरी विकासखंड बलौदा के किसान श्री रामनारायण आदिले के जीवन में एक नई उम्मीद जगा दी है। जिस ज़मीन को कभी बंजर मानकर छोड़ दिया गया था, आज वहीं पर सुनहरी फसलें लहरा रही हैं। ग्राम पंचायत बगडबरी में भूमि समतलीकरण कार्य रामनारायण का प्रस्ताव ग्राम सभा में पारित किया गया था। तकनीकी स्वीकृति प्राप्त होने के बाद पंचायत से 95 हजार 644 रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति राशि प्राप्त हुई। कार्य की शुरुआत अक्टूबर 2023 को की गई और नवंबर 2023 को कार्य पूर्ण हुआ। इस कार्य से 9 श्रमिक परिवारों को रोजगार मिला तथा 388 मानव दिवस सृजित हुए।

किसान रामनारायण की भूमि बंजर और ऊबड़-खाबड़ थी। बरसात का पानी खेतों में रुक नहीं पाता था, जिससे उत्पादन लगभग असंभव था। स्थिति को देखते हुए उन्होंने ग्राम सभा में प्रस्ताव रखकर भूमि समतलीकरण कार्य की मांग की। तकनीकी सहायकों की देखरेख में कार्य प्रारंभ किया गया। तकनीकी सहायक, रोजगार सहायक की उपस्थिति में काम की प्रगति पर निरंतर नज़र रखी गई। कार्य की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने हेतु नियमित माप-तौल की गई और तकनीकी मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्य पूर्ण होने के बाद रामनारायण आदिले की बंजर भूमि पूरी तरह समतल हो गई। एक माह के भीतर उन्होंने खेत की जुताई की और पहली बार धान की फसल बोई। परिणामस्वरूप इस जमीन पर उन्हें चार क्विंटल धान का उत्पादन हुआ।

किसान का कहना है कि पहले इस भूमि में कुछ भी उपज नहीं पाता था, लेकिन समतलीकरण के बाद अब मिट्टी की उर्वरता में सुधार आया है और खेत में पानी भी टिकता है। गांव के अन्य किसान अब इस सफलता को देखकर अपनी बंजर भूमि पर भी इसी प्रकार का कार्य करवाने में रुचि दिखा रहे हैं। रोजगार सहायक ने बताया कि यह मनरेगा योजना का उत्कृष्ट उदाहरण है जहाँ एक छोटे से कार्य ने किसान के जीवन में बड़ा बदलाव लाया है। मनरेगा योजना के तहत भूमि सुधार कार्यों ने ग्राम्य अर्थव्यवस्था में नई ऊर्जा भर दी है। अब बंजर जमीनें उपजाऊ बन रही हैं, जिससे न केवल खाद्यान्न उत्पादन बढ़ा है बल्कि ग्रामीणों को स्थानीय रोजगार भी मिला है। श्री रामनारायण आदिले की यह कहानी इस बात का प्रमाण है कि सही दिशा में की गई छोटी पहल भी ग्रामीण विकास की बड़ी मिसाल बन सकती है। रामनारायण ने अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि भूमि समतलीकरण के बाद खेतों में हल चलाना और सिंचाई करना आसान हुआ है। अब एक ही जगह पानी ठहरने से फसलों को नुकसान नहीं होता।

कलेक्टर कॉन्फ्रेंस में धान खरीदी के साथ स्वास्थ्य योजनाओं की भी समीक्षा

किसानों का एक-एक दाना धान खरीदेगी सरकार: विष्णुदेव साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में रविवार को आज आयोजित कलेक्टर कॉन्फ्रेंस 2025 में शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की गहन समीक्षा की गई। बैठक की शुरुआत खाद्य विभाग की समीक्षा से हुई, जहां आगामी धान खरीदी सत्र को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

धान खरीदी 15 नवंबर से प्रारंभ होगी। मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी कि खरीदी में किसी भी तरह की अनियमितता पाए जाने पर कलेक्टर जिम्मेदार होंगे। प्रभारी सचिवों को जिलों में खरीदी की पैनी निगरानी के निर्देश दिए गए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार किसानों का एक-एक दाना धान खरीदेगी। उन्होंने कलेक्टरों को निर्देशित किया कि किसान पोर्टल में शत-प्रतिशत पंजीयन समय पर पूरा करें। जिन जिलों में प्रगति धीमी है, उनसे आगे की कार्ययोजना तलब की गई। उन्होंने कहा कि दूरस्थ अंचलों में नेटवर्क की समस्या होने पर विशेष शिविर लगाकर पंजीयन कराया जाए।

धान खरीदी व्यवस्था के मुख्य बिंदु:

पारदर्शिता और सुगमता के साथ धान खरीदी की पुख्ता व्यवस्था हो।

संवेदनशील केंद्रों की गहन निगरानी की जाए।

अंतरराज्यीय सीमाओं पर विशेष चौकसी बरती जाए।

विशेष पिछड़ी जनजातियों के किसानों के पंजीयन के लिए शिविर आयोजित हों।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के क्रियान्वयन की कमिश्नर स्तर पर समीक्षा हो और कोई पात्र किसान वंचित न रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि धान खरीदी की निगरानी इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से की जाएगी, ताकि किसी भी स्तर पर गड़बड़ी न हो।

स्वास्थ्य सेवाओं पर भी विशेष फोकस

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिए सभी अस्पतालों में शत-प्रतिशत प्रसव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। गर्भवती माताओं और बच्चों के टीकाकरण सत्र तय तिथि पर अनिवार्य रूप से हों। मैटरनल डेथ ऑडिट प्रत्येक प्रकरण में अनिवार्य हो। एनआरसी केंद्रों का संचालन प्रभावी और निरंतर रखा जाए। वेलनेस सेंटरों के माध्यम से गैर-संचारी रोगों (NCDs) पर जनजागरूकता बढ़ाई जाए। बस्तर संभाग में मलेरिया के हॉटस्पॉट क्षेत्रों की पहचान कर विशेष अभियान चलाया जाए।

मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री वय वंदना योजना के अंतर्गत सभी पात्र वरिष्ठ नागरिकों का पंजीयन और कार्ड निर्माण शीघ्र पूर्ण किया जाए।

बैठक के समापन पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल योजनाओं का क्रियान्वयन नहीं, बल्कि हर नागरिक तक उसका लाभ पहुंचाना है। स्वस्थ, समृद्ध और सशक्त छत्तीसगढ़ की दिशा में यही हमारा संकल्प है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कलेक्टर्स कॉन्फ्रेंस में दिखाई सख्ती — कहा, जनहित में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में रविवार को मंत्रालय (महानदी भवन) में आयोजित कलेक्टर्स कॉन्फ्रेंस 2025 में सुशासन, पारदर्शिता और जनहित के नए मानक तय किए गए। बैठक की शुरुआत निर्धारित समय से पहले हुई, जिसने पूरे प्रशासन को मुख्यमंत्री की वर्क-डिसिप्लिन और परिणाम केंद्रित कार्यशैली का सीधा संदेश दिया। बैठक में मुख्य सचिव श्री विकास शील, सभी विभागीय सचिव, संभागायुक्त और कलेक्टर उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने प्रारंभ से ही स्पष्ट कर दिया कि शासन की नीतियों और योजनाओं का अंतिम लाभ जनता तक समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुँचना ही सुशासन का वास्तविक अर्थ है — और इस दिशा में किसी भी स्तर पर ढिलाई स्वीकार्य नहीं होगी।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह कॉन्फ्रेंस केवल समीक्षा बैठक नहीं, बल्कि जनहित के नए मानक तय करने का अवसर है। उन्होंने अधिकारियों को चेताया कि जिलों में योजनाओं के क्रियान्वयन में परिणाम दिखाई देने चाहिए, केवल रिपोर्टों में नहीं।

मुख्यमंत्री ने कलेक्टर्स कांफ्रेंस में कहा कि शासन की नीतियों और योजनाओं का अंतिम उद्देश्य आम जनता तक योजनाओं का लाभ पहुँचाना है। उन्होंने कहा कि जनता के बीच आपकी उपस्थिति और संवेदनशीलता ही आपकी पहचान है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि धान खरीदी 15 नवंबर से प्रारंभ होगी और इसकी सभी तैयारियाँ समय पर पूरी कर ली जाएं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि धान खरीदी में किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर सीधे कलेक्टर जिम्मेदार होंगे। धान खरीदी में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक धान खरीदी केंद्र की मॉनिटरिंग हो। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रभारी सचिव जिलों में लगातार निगरानी रखें और संवेदनशील केंद्रों की विशेष मॉनिटरिंग करें। उन्होंने कहा कि धान खरीदी की पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता और सुगमता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि खरीदी की चौकसी बढ़ाने के लिए अब इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का उपयोग किया जाएगा। इससे जिलों में निगरानी तेज होगी और किसी भी गड़बड़ी पर तत्काल कार्रवाई संभव होगी। उन्होंने निर्देश दिया कि अंतरराज्यीय सीमावर्ती जिलों में विशेष सतर्कता बरती जाए, ताकि बाहर से धान की अवैध आवाजाही को रोका जा सके। मुख्यमंत्री ने विशेष पिछड़ी जनजातियों के किसानों के लिए विशेष निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन जनजातीय इलाकों में विशेष शिविरों के माध्यम से 100 प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित किया जाए। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि एक भी पात्र किसान वंचित न रहे, यह प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जिलों में निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी पात्र किसानों को लाभ पहुँचना चाहिए। उन्होंने कमिश्नरों को निर्देश दिया कि बस्तर और सरगुजा सम्भाग में विशेष रूप से योजना की प्रगति की सतत समीक्षा करें। मुख्यमंत्री श्री साय ने ऊर्जा विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ अधिकतम लोगों तक पहुँचे।

आरएसएस ने माधव नगर जोरापारा बस्ती में मनाया विजयदशमी उत्सव

रायपुर। माधव नगर जोरापारा बस्ती में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (ऋस्स) ने अपने शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में विजयदशमी उत्सव धूमधाम से मनाया। शारदा चौक स्थित आर.डी.बिल्डिंग मैदान में आयोजित कार्यक्रम में स्वयंसेवकों और नागरिकों ने भाग लिया। जोरापारा बस्ती प्रमुख प्रणीत जैन ने बताया कि इस अवसर पर एकत्रीकरण और शस्त्र पूजन,संबोधन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक ध्वज प्रणाम के साथ हुआ, जिसके बाद अमृत वचन और एकल गीत प्रस्तुत किए गए। आज के कार्यक्रम नगर सरसंघ चालक मनीष साहू की अध्यक्षता में कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इंदिरा गांधी वार्ड के पार्षद अवतार सिंह बागल थे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता रायपुर महानगर के प्रचार प्रसार प्रमुख शुभम अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का सौवां वर्ष समूचे हिंदू समाज के सहयोग और आशीर्वाद का परिणाम है। उन्होंने बताया कि संघ ने 1925 से राष्ट्र निर्माण और समाज के प्रत्येक वर्ग में संगठन व संस्कार की भावना विकसित करने का कार्य किया है। साथ ही संघ के शताब्दी वर्ष अपने संबोधन में कहा कि संघ ने अपने गौरवशाली इतिहास में समाज को दिशा देने और जागृत करने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। उन्होंने बताया कि अब संघ ने भारत माता के सर्वांगीण विकास के लिए 'पंच परिवर्तन' के लक्ष्य तय किए हैं, जिनकी शुरुआत कुटुंब से होगी। उन्होंने स्वयंसेवकों से समाज में जामवंत की भूमिका निभाने का आह्वान किया, ताकि वे दूसरों को प्रेरित कर आत्मजागरण की राह दिखा सकें। साथ ही पारिवारिक एकता पर जोर देते हुए कहा कि परिवार के सदस्यों को प्रतिदिन एक समय साथ भोजन करना चाहिए, क्योंकि यही सामाजिक समरसता की नींव है। उन्होंने बताया कि पांच परिवर्तन सामाजिक समरसता,पर्यावरण संरक्षण,नागरिक कर्तव्य, कुटुंब प्रबोधन,स्वदेशी पर केंद्रित कार्यक्रम किए जाएंगे। स्थानीय इकाइयां आवश्यकता के अनुसार कार्यक्रमों की योजना बनाएंगी। इस अवसर पर माधव नगर जोरापारा बस्ती के स्वयं सेवकों के साथ प्रमुख व्यक्ति उपस्थित रहे, जिनमें नगर सरसंघ चालक मनीष साहू,महानगर प्रचार प्रसार प्रमुख शुभम अग्रवाल,पवन साहू जी,इंदिरा गांधी वार्ड के पार्षद अवतार सिंह बागल,सुरेश कुंबलकर जी,भूषण टावरे जी,जोरापारा बस्ती प्रमुख प्रणीत जैन,संजय चोपकर,रवि देशमुख,सुनील ठाकुर,विजय सोनी,नरेंद्र चंदेल,साजन श्रीवास,शीतल जैन,मनीष साहू,तुषार शर्मा,अनिकेत यादव,आदित्य ठाकुर,जितेंद्र खत्री,विजय सोना,योगेश पशिने उपस्थित थे।

शहीद नंदकुमार पटेल शासकीय महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने किया रक्तदान

रायपुर। शहीद नंदकुमार पटेल शासकीय महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. प्रीति शर्मा के मार्गदर्शन में यूथ रेड क्रॉस सोसायटी और एनएसएस के संयुक्त तत्वाधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जहां 11 योग्य छात्र-छात्राओं ने रक्तदान किया। इस अवसर पर मॉडल ब्लड सेंटर, डॉ भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय के डॉक्टर, रेड क्रॉस सोसाइटी के प्रभारी डॉ युगबोध पटले, एनएसएस अधिकारी डॉ कविता कोसरिया के साथ महाविद्यालय के प्राचार्य व छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

शिविर में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं, अधिकारियों और कर्मचारियों में अभूतपूर्व उत्साह देखा गया। रक्तदान से पूर्व, सभी रक्तदाताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चिकित्सा टीम द्वारा हीमोग्लोबिन, रक्तचाप, वजन तथा अन्य आवश्यक स्वास्थ्य जाँचें की गईं। जाँच में योग्य पाए गए कुल 11 लोगों (कर्मचारी, अधिकारी और छात्र) ने सफलतापूर्वक रक्तदान किया। रेड क्रॉस सोसाइटी के प्रभारी डॉ युगबोध पटले और एनएसएस अधिकारी डॉ कविता कोसरिया ने सभी रक्तदाताओं और आयोजन में सहयोग देने वाली टीम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन युवाओं में सामाजिक जिम्मेदारी और मानवता की सेवा की भावना को मजबूत करते हैं।

सभी निकायों में दीपावली के पूर्व वेतन भुगतान सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने नगरीय प्रशासन विभाग के कार्यों की समीक्षा की

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने नवा रायपुर स्थित विश्राम भवन में वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने दीपावली के पहले सभी नगरीय निकायों में कर्मचारियों को वेतन का भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के मंत्रालय, संचालनालय और सूडा की टीम को बेहतर समन्वय के साथ समयबद्ध तरीके से कार्य करते हुए लेट-लतीफी से बचने को कहा। उन्होंने कहा कि सभी कार्य तय समय-सीमा में पूर्ण गुणवत्ता के साथ धरातल पर नजर आने चाहिए। नगरीय प्रशासन विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस. और संयुक्त सचिव डॉ. रेणुका श्रीवास्तव भी समीक्षा बैठक में शामिल हुईं।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने नगरीय प्रशासन विभाग के कार्यों की समीक्षा की- उप मुख्यमंत्री श्री साव ने नगरीय निकायों में विकास कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेते हुए समयबद्ध क्रियान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने गोधाम योजना के क्रियान्वयन के लिए कार्ययोजना को अंतिम रूप देने के निर्देश दिए। पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए हरित आवरण बढ़ाने हेतु एक समग्र कार्ययोजना तैयार कर प्रस्ताव प्रस्तुत करने को कहा। उन्होंने इसके लिए राज्य प्रवर्तित योजना के अंतर्गत राशि आबंटित करने के निर्देश दिए। उन्होंने इसकी प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए राज्य स्तर पर नोडल अधिकारी भी नियुक्त करने को कहा।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने नगरीय प्रशासन विभाग के कार्यों की समीक्षा की- समीक्षा बैठक में नगरीय निकायों के लंबित विद्युत देयकों की समीक्षा की गई। श्री साव ने एनर्जी बिल ऑडिट की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेते हुए प्राप्त सुझावों के त्वरित क्रियान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने सरचार्ज एवं अतिरिक्त भार से होने वाले आर्थिक नुकसान को रोकने के लिए निकायों के सीएमओ, लेखापाल व अभियंताओं के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित करने के निर्देश दिए। श्री साव ने बैठक में नवगठित नगरीय निकायों को आवश्यक आधारभूत सुविधाओं के लिए अधोसंरचना मद, चुंगी कर अथवा अन्य स्रोतों से राशि स्वीकृत कर कार्य कराने की कार्ययोजना प्रस्तुत करने को कहा। उन्होंने नवीन निकायों को शीघ्र आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने नालंदा परिसरों, अटल परिसरों तथा बजट में शामिल अन्य योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि नगरीय निकायों को सर्वांगीण विकास के लिए सरकार द्वारा भरपूर राशि प्रदान की जा रही है, अतः सभी अधिकारी योजनाओं का त्वरित क्रियान्वयन सुनिश्चित करें, ताकि नागरिकों को इनका शीघ्र लाभ मिल सके। बैठक में नगरीय निकायों के अधिकारियों-कर्मचारियों की पदोन्नति, रिक्त पदों पर भर्ती, वर्गीकरण तथा सेट-अप रिवीजन पर भी विस्तृत चर्चा हुई। उप अभियंताओं की भर्ती हेतु वित्त विभाग से समन्वय कर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए गए। श्री साव ने चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में स्वीकृत 21 नगरीय निकायों की जलप्रदाय योजनाओं एवं एसटीपी निर्माण की प्रगति की समीक्षा करते हुए डीपीआर एवं आरएफ्पी कार्य शीघ्र पूर्ण करने को कहा। उन्होंने मिशन अमृत 2.0 के अंतर्गत चल रहे कार्यों की निकायवार समीक्षा कर जिला कलेक्टरों के माध्यम से निर्माण में आ रही बाधाएं दूर कर कार्य समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश भी दिए।

संक्षिप्त समाचार

दिवाली से पहले एनएचएम कर्मचारियों को 5 प्रतिशत वेतन वृद्धि, 1500 से ज्यादा होंगे वंचित

रायपुर। राज्य सरकार ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कर्मचारियों को दिवाली से पहले बड़ी सौगात दी है। शासन ने 1 जुलाई 2023 से प्रभावी 5 प्रतिशत वेतन वृद्धि की मंजूरी दे दी है। यह लाभ केवल उन्हीं कर्मचारियों को मिलेगा जिनकी सेवा अवधि 1 जुलाई 2023 तक एक वर्ष पूरी हो चुकी है। इस निर्णय से हालांकि लगभग 1500 से अधिक कर्मियों को वेतन वृद्धि का लाभ नहीं मिल पाएगा, क्योंकि उनकी सेवा एक वर्ष से कम की है। एनएचएम कर्मियों ने अपनी वेतन वृद्धि समेत 10 सूत्रीय मांगों को लेकर 33 दिनों तक हड़ताल की थी। इसी दौरान संघ के अध्यक्ष समेत 25 पदाधिकारियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था। हड़ताल समाप्त होने के समय सरकार ने बर्खास्त कर्मियों की पुन: बहाली का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। इससे बर्खास्त कर्मचारी अब भी बहाली की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

महिला एवं बाल विकास विभाग में अधीक्षक पदों पर निकली भर्ती, 55 पदों के लिए 8 नवंबर तक करें आवेदन

रायपुर। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए छत्तीसगढ़ में एक सुनहरा अवसर आया है। महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत बाल देखरेख संस्थाओं में अधीक्षक पदों की भर्ती के लिए छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने नोटिफिकेशन जारी किया है। इस भर्ती प्रक्रिया के तहत कुल 55 रिक्त पदों को भरा जाएगा। आवेदन की प्रक्रिया 10 अक्टूबर 2025 से शुरू हो चुकी है और इच्छुक अभ्यर्थी 8 नवंबर 2025 की रात 11:59 बजे तक आयोग की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। अधीक्षक पद के लिए वेतनमान लेवल-9 तय किया गया है, जिसमें 9300 से 34800 का बेसिक पे और 4300 ग्रेड पे शामिल है। इन पदों के लिए न्यूनतम आयु सीमा 21 वर्ष और अधिकतम 30 वर्ष निर्धारित की गई है। हालांकि छत्तीसगढ़ के मूल निवासी अभ्यर्थियों और आरक्षित वर्ग को अधिकतम आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट दी जाएगी। शैक्षणिक योग्यता के रूप में उम्मीदवार के पास किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक डिग्री होना आवश्यक है। जिन अभ्यर्थियों ने समाजशास्त्र, मनोविज्ञान या सामाजिक कार्य जैसे विषयों में स्नातक किया है, उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी। चयन प्रक्रिया दो चरणों में पूरी होगी — लिखित परीक्षा और साक्षात्कार। लिखित परीक्षा कुल 300 अंकों की होगी, जिसमें छत्तीसगढ़ सामान्य ज्ञान से 50 प्रश्न और बाल संरक्षण से संबंधित विषयों पर 100 प्रश्न शामिल होंगे। इसके बाद 30 अंकों का साक्षात्कार होगा। इस तरह चयन कुल 330 अंकों के आधार पर किया जाएगा। योग्य उम्मीदवारों से अनुरोध है कि अंतिम तिथि से पहले आवेदन प्रक्रिया पूरी कर लें ताकि किसी भी तकनीकी समस्या से बचा जा सके। यह भर्ती उन युवाओं के लिए एक बेहतरीन मौका है जो सामाजिक सेवा के क्षेत्र में कार्य करने की इच्छा रखते हैं।

बैठक में अभद्र व्यवहार करने पर खमतराई के पटवारी रमेश वैष्णव निलंबित, नया प्रभार विकास जायसवाल को सौंपा गया

रायपुर। राजस्व विभाग की शुक्रवार को आयोजित बैठक के दौरान ग्राम खमतराई के पटवारी रमेश कुमार वैष्णव द्वारा किए गए अनुशासनहीन और असम्मानजनक व्यवहार पर प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाते हुए उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। जानकारी के अनुसार, एसडीएम मनीष साहू की अध्यक्षता में बिलासपुर अनुभाग के पटवारियों की बैठक बुलाई गई थी। इस बैठक में हल्का नंबर 25, ग्राम खमतराई के पटवारी रमेश कुमार वैष्णव तय समय से काफी देर से पहुंचे। देरी का कारण पूछने पर उन्होंने न केवल असहयोगात्मक रवैया अपनाया बल्कि एसडीएम से कहा, नहीं बताऊंगा, जो करना है कर लो। इस पर जब एसडीएम ने उन्हें खड़े होकर उत्तर देने को कहा, तो उन्होंने निर्देश मानने से इनकार करते हुए कहा कि वे कुर्सी पर ही बैठेंगे और खड़े नहीं होंगे। इतना ही नहीं, बैठक कक्ष से बाहर जाने के निर्देश को भी उन्होंने ठुकरा दिया और वहीं पर बैठे रहे। पटवारी द्वारा बार-बार निर्देशों की अवहेलना और अनुशासनहीनता से नाराज एसडीएम मनीष साहू ने मौके पर ही उन्हें निलंबित करने का आदेश जारी कर दिया। रमेश वैष्णव को तत्काल प्रभाव से उनके पद से हटा दिया गया है। प्रशासन ने निलंबन के बाद खमतराई हल्के का कार्यभार पटवारी विकास जायसवाल को सौंप दिया है। यह मामला अब प्रशासनिक गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है और अधिकारियों द्वारा अनुशासन बनाए रखने के लिए इसे एक सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

गार्ड की लोहे के रॉड से पीट-पीटकर हत्या, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में अपराधों का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है। इसी क्रम में, खम्हारडीह थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज हत्या की वारदात सामने आई है। खम्हारडीह स्थित सरकारी शराब दुकान पर कार्यरत सुरक्षा गार्ड को लोहे के रॉड से पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार, मृतक गार्ड का नाम संदीप पटेल था। देर रात भींगराज बघेल नामक एक युवक शराब दुकान पहुंचा और दुकान बंद होने के बावजूद शराब देने की ज़िद करने लगा। संदीप पटेल ने जब शराब देने से मना किया तो दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी भींगराज बघेल ने पास पड़े लोहे के रॉड से गार्ड संदीप पटेल पर बेरहमी से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई और आरोपी फरार हो गया। पुलिस की शुरुआती जाँच में पता चला कि आरोपी भींगराज बघेल भी पास के ही एक निर्माणाधीन निजी प्रोजेक्ट में सुरक्षा गार्ड के रूप में काम करता है। वह रात करीब 12:30 बजे शराब लेने पहुँचा था। हालांकि, आरोपी का बयान कुछ और है। आरोपी भींगराज ने पुलिस को बताया कि मृतक गार्ड ने उससे पैसे लेकर शराब देने की बात कही थी, लेकिन पैसे वापस करते समय उसने कम पैसे लौटाए, जिस पर आपत्ति जताने के बाद विवाद हुआ और उसने लोहे के रॉड से हमला कर दिया। फिलहाल, हत्या का सही कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। खम्हारडीह थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी भींगराज बघेल को गिरफ्तार कर लिया है ।

संपादकीय

कठघरे में निगरानी व्यवस्था

कफ सिरप से मौतों की खबरें भी हाल के वर्षों में सुर्खियों में रही हैं। इसी तरह अस्पतालों में अग्निकांड का सिलसिला भी लंबा होता गया है। ऐसी घटनाओं में एक समान पहलू नियामक संस्थाओं की गैर-जिम्मेदारी रहा है। जयपुर के सवाई मान सिंह अस्पताल में हुए हृदयविदारक अग्निकांड ने देश में निरीक्षण और निगरानी की कमजोर पड़ती जा रही व्यवस्था को फिर उजागर किया है। यह घटना उस समय हुई है, जब कई राज्यों में कफ सिरप के सेवन से दर्जन भर से अधिक बच्चों की मौत की खबरों से देश हिला हुआ है। ये मौतें भी इसीलिए हुईं, क्योंकि दवा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने का कार्य देश में पर्याप्त चुस्ती नहीं हो रहा है। गौरतलब है कि जयपुर के जिस अस्पताल में अग्निकांड हुआ, वह सरकारी है; जबकि तमिलनाडु की जिस कंपनी ने कोल्ड्रिफ नाम का कफ सिरप बनाया, वह प्राइवेट सेक्टर की है। मतलब यह कि सेक्टर चाहे जो हो, वहां ऐसे मामलों में भी लगातार लापरवाही बरती जा रही है, जिनका संबंध सीधे इनसान की जान से है। अगंभीर नजरिये का आलम यह है कि कोल्ड्रिफ पीने से मौतों की खबर आने के तुरंत बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस कफ सिरप में डाइथीलीन ग्लाइकोल मौजूद होने का खंडन कर दिया। लेकिन जब राजस्थान और मध्य प्रदेश (जहां सबसे ज्यादा मौतें हुई हैँ) में बेचे गए सिरप के नमूनों की जांच तमिलनाडु में हुई, तो इस हानिकारक तत्व की मौजूदगी की पुष्टि हुई। यह अंतर क्या बताता है? यही कि अधिकारियों की आरंभिक कोशिश किसी गंभीर मामले को भी रफ़ा-दफ़ा करने की होती है। स्पष्टत: ऐसे नजरिए से मिलावट या गुणवत्ता से अन्य समझौते कर मुनाफा बढ़ाने की होड़ में लगे धंधेबाजों का मनोबल बढ़ता है। ऐसी घटनाएं इतनी अधिक हो चुकी हैं कि अब इन्हें मानवीय भूल या इक्का-दुक्का चूक बता कर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारतीय कफ सिरप से कई दूसरे देशों में मौतों की खबरें भी गुजरे वर्षों में सुर्खियों में रहीं। इसी तरह अस्पतालों में अग्निकांड का सिलसिला भी लंबा होता गया है। इसके मद्देनजर ऐसी घटनाओं को अलग करके नहीं देखा जाना चाहिए। इन सब में समान पहलू नियामक संस्थाओं की गैर-जिम्मेदारी है। इसे तुरंत दुरुस्त करने की आवश्यकता है। नियमों पर अमल सुनिश्चित कराने का सख्त अभियान तुरंत छेड़ा जाना चाहिए, वरना देश में किसी की जिंदगी सुरक्षित नहीं रह जाएगी।

पीओके में विद्रोह है पर दुनिया ने नजरे फैरी हुई!

श्रुतिव्यास

सितंबर 2025 के आखिर से पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के मुज़फ़्फ़राबाद, रावलकोट, कोटली, नीलम एक-एक कर ठप पड़ गए। सड़कें बंद, आवाज़ें बेख़ौफ़, नारे गरजते हुए- कश्मीर हमारा है, हमीं उसकी क़िस्मत का फ़ैसला करेंगे। यह शोर नहीं, हताशा, निराशा और टूटना है। चालीस सालों में सबसे बड़े नागरिक उभारों में से एक सामने है मगर दुनिया सुविधाजनक चुप्पी ओढ़े है। सीएनएन या बीबीसी की कोई ब्रेकिंग अलर्ट नहीं। डीडब्ल्यू और अल जज़ीरा जैसे कुछ अपवाद छोड़ दें तो वैश्विक मीडिया ने पीओके से नज़र फेर ली। क्यों? क्या इसलिए क्योंकि यह वह कश्मीर है जो पाकिस्तान के जूते तले है। इसलिए यह कहानी दुनिया के चुने हुए स्क्रिप्ट में फ़िट नहीं बैठती।

वह स्क्रिप्ट क्या है?

तैयारशुदा वैश्विक आख्यान—भारत एक अधिनायकवादी लोकतंत्र, कश्मीर उसका स्थायी पीड़ित, और पाकिस्तान—कश्मीरियों का सदैव हमीद भाई। यह ढाँचा, ये जुमले आरामदेह, परिचित और बेचने में आसान है- थिंक टैंकों का चारा, सक्रियवाद की ऊर्जा, और पश्चिमी नैतिक श्रेष्ठता के लिए आईना। इसी से पाकिस्तान कश्मीर के चैम्पियन, हितरक्षक की चादर ओढ़े रखता है जबकि अपने कब्ज़े वाले कश्मीर में कश्मीरी आवाज़ों का गला घोंटता है।

पीओके इस द्विआधारी में नहीं समाता। अगर पीओके के जन विरोधों को स्वीकार ले तो यह भ्रम टूटेगा कि कश्मीरी पीड़ा सिर्फ़ भारतीय शासित हिस्से में है और पाकिस्तान की भूमिका निर्दोष है। इसका अर्थ यह मानना होगा कि इस्लामाबाद असहमति कुचलता है, कार्यकर्ताओं को जेल में डालता है, चुनावों में हेरफेर करता है, मीडिया को सेंसर करता है—और सेना के ज़रिये पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर पर लोहे की पकड़ बनाए रखता है। पीओके को देखना पाखंड का पर्दाफ़ाश करना है; उस पर रिपोर्ट करना सिर्फ़ पाकिस्तान ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय मीडिया और चयनात्मक आक्रोश पर करियर बनाने वालों से भी सख़्त सवाल मांगता है।

यह असहज सत्य है कि दुनिया की नज़र में हर कश्मीरी पीड़ा बराबर नहीं—और मानवाधिकार वहीं बोला जाता है जहाँ भू-राजनीति इजाज़त दे।

इसलिए पीओके को कथा से गायब कर दिया जाता है—क्योंकि उसका दर्द राजनीतिक रूप से असुविधाजनक है।

यह उभार रातों-रात नहीं उठा। वहां 2023 में बिजली बिलों और गेहूँ की कमी पर ग़ुस्से से शुरुआत हुई। अगस्त तक यह जॉइंट अवामी एक्शन कमिटी (छ्वड्ड) के रूप में सहेजा गया—हर ज़िले के नागरिकों का गठजोड़। मई 2024 में उनका लोंग मार्च खूनी हो गया। 2025 में ग़ुस्सा फिर लौटा—इस बार बड़ा, बेबाक, व्यापक। अब मुद्दा सिर्फ़ राशन-ईंधन नहीं। छ्वड्ड की ताज़ा चार्टर में 38 माँगें हैं—मुफ़्त स्वास्थ्य, शिक्षा, बुनियादी ढाँचा—और सबसे ऊपर- एलीट विशेषाधिकार और सैन्य प्रभुत्व का अंत। सोशल मीडिया से लामबंदी हुई—जब तक इंटरनेट बंद न कर दिया गया। 4 अक्टूबर को पाकिस्तान सरकार ने घबराकर समझौते पर दस्तख़त किए—पर आग बुझी नहीं; वह कर्फ़्यू और गिरफ़्तारियों के नीचे दबकर धधकती रही।

चार दशक में सबसे बड़े नागरिक प्रतिरोध, इंटरनेट ब्लैकआउट, आधी रात की छापेमारियाँ, कर्फ़्यू और नागरिक मौतों के बीच—दुनिया ने आँखे फेर लीं। न ब्रेकिंग न्यूज़, न हैशटैग, न आक्रोश, न एकजुटता। वेस्टमिंस्टर में किसी सांसद ने मुद्दा नहीं उठाया। क्योंकि स्पॉटलाइट हमेशा एलओसी के एक ही तरफ़ रहती है। इस तरफ़—भारतीय कश्मीर में—बेचैनी की फुसफुसाहट, एक पत्थर, एक संवैधानिक बदलाव—हमेशा वैश्विक तमाशा बनता है- न्यूयॉर्क से जेनेवा तक थिंक टैंक, ओप-एड और वकालत का रेला। इस तरफ़ का कश्मीर दुनिया का सबसे सुविधाजनक रूपक—गिरते लोकतंत्र, बेलगाम राज्य, पीड़ित जनता।

पंच परिवर्तन और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

पवन शुक्ला

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने शताब्दी वर्ष में केवल अपनी यात्रा का उत्सव नहीं मना रहा, बल्कि भारत के पुनर्निर्माण की दिशा में एक विचार-यात्रा प्रारंभ कर रहा है। इस यात्रा का केंद्र है पंच परिवर्तन, एक ऐसी रूपरेखा जो व्यक्ति, समाज और राष्ट्र तीनों स्तरों पर सकारात्मक परिवर्तन की मांग करती है। संघ का यह प्रयास केवल संगठनात्मक ऊर्जा का विस्तार नहीं, बल्कि राष्ट्र की चेतना को नई दिशा देने वाला सामाजिक संकल्प है। भारत आज सामाजिक विषमताओं, पारिवारिक विघटन, पर्यावरणीय असंतुलन, आर्थिक परनिर्भरता और नागरिक दायित्वों की शिथिलता जैसी अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है। इन परिस्थितियों में पंच परिवर्तन केवल विचार नहीं, बल्कि इन समस्याओं के समाधान का समग्र मार्गदर्शन बनकर सामने आता है। यह पांच परिवर्तन—सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, 'स्व' आधारित जीवनशैली और कर्तव्यनिष्ठ नागरिक निर्माण—भारतीय समाज के नवजागरण की आधारशिला के रूप में उभरते हैं।

सामाजिक समरसता— विविधता में एकता का सजीव दर्शन- समरसता भारतीय समाज की आत्मा है। यह केवल विचार नहीं, बल्कि जीवन का व्यवहार है। संघ का मानना है कि जाति, धर्म, भाषा या क्षेत्र के आधार पर कोई भेदभाव न रहे, तभी भारत अपने सांस्कृतिक स्वरूप को साकार कर सकेगा। समानता और आत्मीयता — यही समाज को जोड़ने की वास्तविक शक्ति है। इसी भावना को साकार करने के लिए संघ के स्वयंसेवक गाँव-गाँव में सहभोजन, समरस उत्सव और संयुक्त सेवा परियोजनाएँ आयोजित कर रहे हैं। एक मंदिर ङ्क एक जलस्रोत ङ्क एक श्मशान卐 जैसे अभियानों ने ग्रामीण समाज में बंधुता का वातावरण बनाया है। श्रीराम और केवट का प्रसंग आज भी इस समरसता का प्रतीक है, जहाँ सम्मान और आत्मीयता जाति या वर्ग से ऊपर उठ जाती है।

कुटुंब प्रबोधन— परिवार ही राष्ट्र की प्रथम इकाई- भारतीय संस्कृति में परिवार केवल सामाजिक संस्था नहीं, बल्कि संस्कार की प्रयोगशाला है। आज के यांत्रिक जीवन में जब संवाद घट रहा है और उपभोक्तावाद बढ़ रहा है, तब कुटुंब प्रबोधन की आवश्यकता पहले से अधिक महसूस होती है। संघ के परिवार प्रबोधन अभियान के अंतर्गत देशभर में संयुक्त भोजन, साप्ताहिक पारिवारिक संवाद, सांस्कृतिक आयोजन और संस्कार वर्ग जैसे प्रयास किए जा रहे हैं। इनसे पीढ़ियों के बीच संवाद पुन: स्थापित हो रहा है और परिवारों में भारतीय जीवन-मूल्य पुनर्जीवित हो रहे हैं। सशक्त परिवार ही सशक्त राष्ट्र की नींव रखता है। बालगोकुलम् और संस्कार भारती जैसी पहलें इस कुटुंब संस्कृति को नई ऊर्जा प्रदान कर रही हैं।

पर्यावरण संरक्षण— प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का भाव- भारत का दृष्टिकोण सदैव प्रकृति मातरं वंदे का रहा है। संघ इस परंपरा को आधुनिक संदर्भ में पुन: स्थापित कर रहा है। वृक्षारोपण, जल-संरक्षण, प्लास्टिक-त्याग, जैविक खेती और नदी-सफाई जैसे अभियानों के माध्यम से संघ के स्वयंसेवक समाज में पर्यावरणीय संतुलन की चेतना फैला रहे हैं। प्रकृति केवल संसाधन नहीं, बल्कि सृजन की सहयात्री है। संघ का अभियान एक वृक्ष — मातृभूमि के नाम इस कृतज्ञता का प्रतीक है। यह केवल पर्यावरणीय कार्यक्रम नहीं, बल्कि भारतीय जीवन-दर्शन की पुनर्स्थापना है।

'स्व' आधारित जीवनशैली— आत्मनिर्भरता का सांस्कृतिक स्वरूप- स्व आधारित जीवनशैली, पंच परिवर्तन का चौथा आयाम है। यह आर्थिक आत्मनिर्भरता के साथ-साथ सांस्कृतिक आत्मविश्वास का भी प्रतीक है। संघ का स्वावलंबन अभियान ग्रामीण और शहरी स्तर पर स्थानीय उत्पादन, हस्तशिल्प, खादी, चरखा, गौ-आधारित उद्योग और स्वदेशी उपक्रमों को प्रोत्साहन दे रहा है। यह केवल आर्थिक नीति नहीं, बल्कि आत्मगौरव का आंदोलन है। स्वदेशी केवल व्यापार की नीति नहीं, आत्मा की पुकार है। विदर्भ, केरल और पूर्वोत्तर भारत में ऐसे कई संघ-प्रेरित लघु उद्योग आत्मनिर्भरता के सशक्त उदाहरण बने हैं। 'स्व' का यह भाव भारत को आर्थिक रूप से स्वतंत्र और सांस्कृतिक रूप से स्वाभिमानी राष्ट्र बनाने की दिशा में अग्रसर है।

राष्ट्रीय चेतना और कर्तव्यपरायण नागरिक निर्माण - संघ के विचार में, राष्ट्र निर्माण का मूल कर्तव्यनिष्ठ नागरिक है। शाखाओं और प्रशिक्षण शिविरों में स्वयंसेवकों को सिखाया जाता है कि अधिकारों से पहले कर्तव्य का बोध आवश्यक है। जब हर व्यक्ति राष्ट्र को परिवार मानेगा, तब भारत विश्व का नेतृत्व करेगा। संघ के आपदा राहत, ग्राम स्वच्छता, शिक्षा सेवा केंद्र और स्वास्थ्य अभियानों के माध्यम से लाखों स्वयंसेवक सेवा और अनुशासन की भावना से समाज में सक्रिय हैं। यह परिवर्तन नागरिकता की एक नयी परिभाषा प्रस्तुत करता है, जहाँ राष्ट्र प्रथम सर्वोच्च मूल्य बन जाता है।

पंच परिवर्तन का यह सूत्र वास्तव में भारत के नवजागरण की दिशा में अग्रसर एक जीवंत अवधारणा है। यह भारत को सामाजिक रूप से समरस, पारिवारिक रूप से सुदृढ़, पर्यावरणीय रूप से संतुलित, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और नागरिक रूप से कर्तव्यनिष्ठ बनाना चाहता है। संघ की शाखाएँ, सेवा योजनाएँ, शिक्षा संस्थान और ग्राम विकास कार्य ङ्क सभी इस पंच परिवर्तन के सूत्र से जुड़े हुए हैं। यह केवल विचारधारा नहीं, बल्कि राष्ट्र पुनर्निर्माण की एक सतत प्रक्रिया है। यह विचार संघ की उस गहराई को प्रकट करता है जो भारत को आत्मा से जोड़ती है, कर्म से सशक्त करती है और विचार से प्रबुद्ध बनाती है। जब समाज का हर घटक अपने स्व की पहचान कर कर्तव्य के मार्ग पर चलता है, तब राष्ट्र केवल भौगोलिक इकाई नहीं रह जाता, वह जीवंत चेतना बन उठता है। यही पंच परिवर्तन की आत्मा है — जो भारत को एक बार फ्रि विश्व में वसुधैव कुटुम्बकम्‌ के मंत्र का ध्वजवाहक बना सकती है।

इस समय तो आतंक भी कूटनीति !

अजीब समय है। ज़्यादा पुरानी बात नहीं है जब आतंकवाद दुनिया की सबसे बड़ी चिंता थी। वॉर ऑन टेरर में हर देश की हिस्सेदारी थी। न्यूयॉर्क से लेकर मुंबई तक हर हमला इस बात को फिर से पक्का करता था कि आतंक बुराई है और दुनिया इसके ख़िलाफ़ एकजुट है। दुश्मन को एक धार्मिक पहचान भी दी गई — उसे कहा गया इस्लामिक आतंकवाद। तब बताया गया था कि यही इस सदी का निर्णायक युद्ध है — वह संघर्ष जो हमारे युग की पहचान बनेगा। लेकिन इक्कीसवीं सदी, जिसकी स्मृति छोटी और थकान लंबी है, अब पूरा चक्र घूम चुकी है। वही लोग जो कभी अंधेरे में छिपे रहते थे — जिन पर इनाम था, जिन्हें सभ्यता का दुश्मन कहा गया था, इन दिनों कूटनीति की मेज़ों पर बैठे हैं। वे सत्ता के गलियारों में चलते हैं, राष्ट्रों के प्रतिनिधि बनकर स्वागत पाते हैं। यह संकेत है। यह चिंता है। और यह विडंबना भी। सिर्फ़ पिछले हफ़्ते ही अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र में दिलचस्प नजारा था। सीरिया के स्वयंभू अंतरिम नेता अहमद अल-शरा का। वही अल-शरा जो कभी सीरिया के अल-नुसरा फ्रंट का चेहरा था, नागरिकों पर हमलों के लिए 10 मिलियन डॉलर का इनामी आतंकवादी। आज वही व्यक्ति संगमरमर के गलियारों से गुज़रता हुआ उन्हीं राजनयिकों के साथ तस्वीरें खिंचवा रहा था जिन्होंने कभी उसे आतंकवादी कहा था। असद को हटाने के बाद अब वह एक सुधारक नेता के रूप में शांति, स्थिरता और पुनर्निर्माण की बातें करता है। भाषा बदल गई है, लेकिन अतीत नहीं। उनका अमेरिका का दौरा 1967 के बाद किसी सीरियाई नेता की संयुक्त राष्ट्र महासभा में पहली उपस्थिति थी। सबसे विचित्र था न्यूयॉर्क के मिडटाउन मैनहट्टन के एक निजी क्लब का दृश्य — जहाँ कारोबारी, राजनयिक और पत्रकार भरे थे। वहीं अल-शरा जिहादी से राजनेता बनने की अपनी यात्रा का बखान (द्बद्बह्लद्गह्यद्बस्त्रद्ग ष्द्धड्डह्ल)कर रहे थे। और सब सुन रहे थे — गम्भीरता से, शायद आदर के साथ। उन्होंने एक बिंदु पर अपने अतीत का बचाव भी किया — इस आत्मविश्वास से कि दुनिया हमेशा प्रायश्चित की कहानी सुनना चाहती है-

उन्होंने कहा- जो भी किसी बच्चे को सड़कों पर मरते देखेगा, वह विद्रोह करेगा। .. दबाव इतना था कि लोगों ने अपने पास जो साधन थे, उन्हीं में समाधान खोजे। जो बात कभी निंदा का विषय होती, अब सहानुभूति बटोर रही थी — जैसे आघात की भाषा अब आतंक की भाषा को धो सकती है। डरावना यह नहीं कि उसने कहा, बल्कि यह कि दुनिया ने सुना — आक्रोश में नहीं, बल्कि कौतुक व आकर्षण में। जाहिर है हम ऐसे युग में हैं जहाँ भाषा किसी भी अपराध को वैध बना सकती है — जहाँ कभी आतंकवादी कहे जाने वाले अपने अपराधों को कथा में, और कथा को कूटनीति में बदल देते हैं।

और फिर हैं तालिबान। वही तालिबान जिनसे दो महाशक्तियों ने बीस साल तक युद्ध लड़ा,। वह आज काबुल में सत्ता में हैं और चार साल बाद वही राष्ट्र जो कभी उन्हें मिटाने की क़सम खाते थे, अब उनसे राजनयिक रिश्ते बना रहे हैं। एक ऐसी सत्ता जो आधी आबादी — महिलाओं — को सार्वजनिक जीवन से मिटा चुकी है, लड़कियों की शिक्षा पर प्रतिबंध लगा चुकी है, और मध्ययुगीन फ़रमान वापस ला चुकी है — उससे भी अब दुनिया व्यवहारिक संबंध बना रही है। भारत भी प्रैग्मैटिज़्म की इस परेड में शामिल है। इस महीने अफ़ग़ान विदेश मंत्री आमिर ख़ान मुत्ताक़ी का भारत आना तय है। भारतीय अधिकारियों ने इसे द्विपक्षीय संबंधों का नया अध्याय कहा है — यानी कूटनीतिक भाषा में अतीत को भुलाने का नया नाम। पूर्व मंत्री एम.जे. अकबर ने इसे भारत की वैश्विक पहचान की पुष्टि बताया और जोड़ा कि यह संकेत है कि दुनिया अब प्रधानमंत्री मोदी की ओर हाथ बढ़ा रही है।

सिनेमाई जगत का विस्तृत विश्लेषण: कला, वाणिज्य और तकनीक का त्रिवेणी संगम

लाइट्स, कैमरा, एक्शन! - ये तीन शब्द केवल एक फिल्म के निर्माण की शुरुआत का संकेत नहीं हैं, बल्कि यह उस विशाल और बहुआयामी उद्योग के सार को दर्शाते हैं जो दुनिया भर में अरबों लोगों के जीवन को प्रभावित करता है। फिल्म उद्योग, जिसे प्रचलित भाषा में सिनेमा जगत कहा जाता है, केवल मनोरंजन का एक स्रोत नहीं है; यह कला, वाणिज्य और प्रौद्योगिकी का एक जटिल पारिस्थितिकी तंत्र है जो संस्कृति को आकार देता है, अर्थव्यवस्था को गति देता है और मानवीय भावनाओं को पर्दे पर जीवंत करता है। इस उद्योग की कार्यप्रणाली को समझने के लिए इसकी संपूर्ण प्रक्रिया को तीन मुख्य स्तंभों में विभाजित करना आवश्यक है: निर्माण, वितरण और प्रदर्शन।

प्रथम चरण: निर्माण ङ्क एक परिकल्पना का सृजन- प्रत्येक फिल्म का जन्म एक विचार से होता है। यह विचार एक लेखक के मस्तिष्क की उपज हो सकता है, किसी उपन्यास का रूपांतरण हो सकता है या किसी सच्ची घटना से प्रेरित हो सकता है। इस विचार को सबसे पहले एक विस्तृत पटकथा (स्क्रिप्ट) का रूप दिया जाता है, जो फिल्म की भावी संरचना, संवाद और दृश्यों की रूपरेखा तैयार करती है। यह पटकथा ही वह नींव है जिस पर पूरी फिल्म की इमारत खड़ी होती है।

निर्माण प्रक्रिया को आगे तीन उप-चरणों में बांटा जा सकता है:

1. प्री-प्रोडक्शन (निर्माण-पूर्व तैयारी):यह योजना का चरण है। यहाँ निर्देशक, निर्माता और अन्य प्रमुख सदस्य मिलकर फिल्म के हर पहलू पर काम करते हैं। इसमें बजट का निर्धारण, कलाकारों (कास्टिंग) और तकनीकी दल का चयन, शूटिंग के लिए स्थानों (लोकेशन) की खोज, सेट का डिज़ाइन और वेशभूषा की तैयारी शामिल है। यह चरण अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि एक सुव्यवस्थित प्री-प्रोडक्शन ही निर्माण प्रक्रिया को सुचारू और प्रभावी बनाता है।

2. प्रोडक्शन (निर्माण):यह वह चरण है जहाँ पटकथा के पन्नों को दृश्यों में बदला जाता है। निर्देशक के नेतृत्व में, छायाकार (सिनैमैटोग्राफ्र) कैमरे के माध्यम से दृश्यों को कैद करता है, अभिनेता अपने अभिनय से पात्रों में जान डालते हैं, और सैकड़ों तकनीशियनों की टीम प्रकाश, ध्वनि और सेट को प्रबंधित करती है। यह एक अत्यंत सहयोगात्मक प्रक्रिया है जिसमें हर व्यक्ति का योगदान फिल्म के अंतिम स्वरूप को प्रभावित करता है।

3. पोस्ट-प्रोडक्शन (निर्माण-पश्चात):शूटिंग पूरी होने के बाद, असली जादू पोस्ट-प्रोडक्शन स्टूडियो में होता है। यहाँ संपादक (एडिटर) फिल्माए गए दृश्यों को एक सुसंगत और आकर्षक कथा में पिरोता है। ध्वनि डिजाइनर संवाद, पार्श्व संगीत और ध्वनि प्रभावों (साउंड इफेक्ट्स) का मिश्रण तैयार करते हैं।विजुअल इफेक्ट्स (ङ्कस्नङ्ग) कलाकार अद्भुत दृश्य रचते हैं जो वास्तविकता में संभव नहीं हैं, और अंत में, कलर ग्रेडिंग के माध्यम से फिल्म को एक विशिष्ट विजुअल टोन दिया जाता है।

द्वितीय चरण: वितरण ङ्क कला को बाज़ार तक पहुँचाना- एक उत्कृष्ट फिल्म बनाना युद्ध का केवल आधा हिस्सा है; उसे दर्शकों तक सही तरीके से पहुँचाना उतना ही महत्वपूर्ण है। वितरण वह सेतु है जो निर्माता और दर्शक के बीच की खाई को पाटता है। इस चरण में वितरक (डिस्ट्रीब्यूटर) फिल्म के अधिकार निर्माता से खरीदते हैं और उसे सिनेमाघरों तथा अन्य प्लेटफार्मों तक पहुँचाने की रणनीति बनाते हैं।

वितरण की प्रक्रिया में विपणन (मार्केटिंग) और प्रचार (प्रमोशन) की भूमिका सर्वोपरि है। ट्रेलर, पोस्टर, सोशल मीडिया अभियान और प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से फिल्म के प्रति दर्शकों में उत्सुकता पैदा की जाती है। आज के डिजिटल युग में, जहाँ पारंपरिक थिएटर के साथ-साथ ओटीटी (ओवर-द-टॉप) प्लेटफॉर्म्स जैसे नेटफ्लिक्स और अमेज़न प्राइम वीडियो का बोलबाला है, वितरण की रणनीति और भी जटिल हो गई है। वितरकों को यह तय करना होता है कि फिल्म को पहले सिनेमाघरों में रिलीज किया जाए या सीधे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर, या फ्रि एक हाइब्रिड मॉडल अपनाया जाए। फिल्म के सैटेलाइट अधिकार, संगीत अधिकार और अन्य सहायक स्रोतों से होने वाली आय भी वितरण रणनीति का एक अभिन्न अंग है।

तृतीय चरण: प्रदर्शन ङ्क रुपहले पर्दे का अनुभव यह यात्रा का अंतिम पड़ाव है, जहाँ दर्शक फिल्म का अनुभव करते हैं। सिनेमाघर केवल एक स्थान नहीं है, बल्कि एक सामुदायिक अनुभव का केंद्र है। अंधेरे हॉल में, एक विशाल पर्दे पर चलती तस्वीरें और शक्तिशाली ध्वनि प्रणाली दर्शकों को एक अलग ही दुनिया में ले जाती है, जहाँ वे सामूहिक रूप से हंसते, रोते और आश्चर्यचकित होते हैं।

समय के साथ प्रदर्शन के स्वरूप में भी बदलाव आया है। सिंगल-स्क्रीन थिएटरों से लेकर आधुनिक मल्टीप्लेक्स तक, और अब घरेलू मनोरंजन प्रणालियों तक, दर्शकों के पास पहले से कहीं अधिक विकल्प हैं। इसके बावजूद, एक सिनेमाघर में फिल्म देखने का सामूहिक अनुभव आज भी अपनी अनूठी जगह बनाए हुए है।

सिनेमा की आत्मा: कहानी और शैली- इस पूरी तकनीकी और वाणिज्यिक प्रक्रिया के केंद्र में जो तत्व है, वह है- कहानी। एक सशक्त कहानी ही दर्शकों को भावनात्मक रूप से जोड़ती है और फिल्म को यादगार बनाती है। फिल्म उद्योग विभिन्न शैलियों (द्दद्गठ्ठह्मद्गह्य) के माध्यम से इन कहानियों को प्रस्तुत करता है। एक्शन-थ्रिलर से लेकर रोमांटिक कॉमेडी तक, और ऐतिहासिक ड्रामा से लेकर विज्ञान-कथा तक, हर शैली का अपना एक दर्शक वर्ग और अपनी कथा-कहने की एक विशिष्ट शैली होती है। ये शैलियाँ दर्शकों को यह समझने में मदद करती हैं कि वे फिल्म से क्या उम्मीद कर सकते हैं, जबकि कुशल फिल्म निर्माता अक्सर इन शैलियों की सीमाओं को तोड़कर नयापन लाने का प्रयास करते हैं।

संक्षेप में, फिल्म उद्योग एक जटिल लेकिन आकर्षक मशीनरी है। यह एक ऐसा क्षेत्र है जहाँ रचनात्मक दृष्टिकोण को यथार्थ में बदलने के लिए विशाल वित्तीय निवेश, उन्नत तकनीक और सैकड़ों कुशल पेशेवरों के सहयोगात्मक प्रयास की आवश्यकता होती है। यह सिर्फ चमक-दमक की दुनिया नहीं, बल्कि गहन योजना, प्रबंधन और कलात्मक समर्पण का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जो अंततः हमें उन कहानियों से रूबरू कराता है जो हमारी सोच को प्रेरित करती हैं और हमारी दुनिया को परिभाषित करती हैं।

लेखक : अंकित शुक्ला
सहायक प्राध्यापक
फिल्म विभाग
आंजनेय विश्वविद्यालय, रायपुर

बच्चों को ऐसे सिखाएं पैसे को बचाना...

बच्चे मन के सच्चे होते हैं। उन्हें जिस तरह ढाल दो, वे उस तरह काम करने लगते हैं। यही वजह है कि बच्चों को कम उम्र से ही धीरे-धीरे हर चीज सिखाने की सलाह दी जाती है, लेकिन कभी आपने सोचा है कि उन्हें पैसे बचाना और बचत करना किस उम्र से सिखाना शुरू करना चाहिए? आइए आपको इसके बारे में बताते हैं।

इस उम्र से बच्चे को सिखाना जरूरी

बच्चा जब बड़ा होने लगता है,तो उसके फ्यूचर को लेकर पैरेंट्स चिंता करने लगते हैं। कोई करियर के बारे में सोचता है तो कोई उसके लिए बैंक बैलेंस को लेकर प्लानिंग करने लगता है। बच्चों के लिए ये सब बेहद जरूरी है, लेकिन इससे भी ज्यादा जरूरी यह है कि उन्हें भी बचपन से काफी चीजें सिखाई जानी चाहिए। इनमें से एक बचत करना भी है। जब बच्चा चीजों को समझने लायक हो जाए तो उसे पैसे की अहमियत के बारे में बताना चाहिए। साथ ही, उसे पैसा बचाना भी सिखाना चाहिए। यह उम्र चार से पांच साल हो सकती है, क्योंकि उस वक्त तक बच्चे हर चीज को काफी अच्छी तरह समझने लगते हैं।

फिक्स पॉकेट मनी से सेट करें ट्रेंड

बच्चों को बचत करना सिखाने का सबसे बेहतरीन तरीका यह है कि उन्हें फिक्स पॉकेट मनी दी जाए। उन्हें बताया जाए कि इस पैसे से ही उन्हें पूरे महीने अपनी जरूरत का सामान लेना है और यही पैसा उनकी मौज-मस्ती के भी काम आएगा। साथ ही, बच्चों को यह भी बताया जाए कि अब उन्हें पैसे अगले महीने ही मिलेंगे। इससे बच्चे धीरे-धीरे बचत करना सीख जाएंगे।

चाहत और जरूरत में अंतर समझाएं

जब बच्चे को पॉकेट मनी मिले तो वह नासमझी में सारा पैसा अपनी मौज-मस्ती पर ही खर्च कर दे। ऐसे में उसे चाहत और जरूरत के बीच का अंतर जरूर समझाएं। जब बच्चा इन दोनों को अच्छी तरह समझने लगेगा तो उसमें बचत करने की समझ भी डिवेलप हो जाएगी।

पैसे बचाने पर दें इनसेंटिव

बच्चों को बचत का तरीका सिखाने के लिए पिगी बैंक भी गिफ्ट कर सकते हैं। इससे वह थोड़े-थोड़े पैसे जोड़ना सीख सकता है। जब बच्चा कुछ पैसे जोड़ ले तो उन्हें बैंक में जमा करा दें, जिससे बचत करने की उसकी प्रैक्टिस बनती चली जाएगी। आप बच्चे को ज्यादा बचत करने के लिए प्रोत्साहित भी कर सकते हैं। अगर वह सही तरीके से बचत कर रहा है तो उसे इनसेंटिव देकर आप प्रोत्साहित भी कर सकते हैं, जिससे वह बचत को लेकर ज्यादा अलर्ट रहेगा।

अच्छी नींद अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है। रात में अच्छी नींद लेने से आपका मूड और ऊर्जा बेहतर होती है, लेकिन जब आपको पर्याप्त नींद नहीं मिल रही हो तो चीजें बहुत तेजी से बिगड़ जाती हैं, जिसमें आपका मेटाबॉलिज्म स्वास्थ्य भी शामिल होता है। आपका शरीर ऊर्जा का उपयोग और भंडारण कैसे करता है, इसमें नींद एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जो लोग लगातार कम नींद लेते हैं, उनमें वजन बढ़ना, मोटापा, टाइप 2 डायबिटीज का खतरा बढ़ जाता है।

अच्छी नींद लेने के फायदे

ब्लड शुगर को बढ़ सकता है:

जब नींद से समझौता किया जाता है, तो यह आपकी कोशिकाओं को इंसुलिन के प्रति कम संवेदनशील बनाता है। इंसुलिन वह हार्मोन है जो ब्लड शुगर (ग्लूकोज) को रक्तप्रवाह से बाहर ऊर्जा के लिए कोशिकाओं में या बाद में संग्रहीत होने के लिए लीवर में ले जाने में मदद करता है।

एक अध्ययन में पाया गया कि 2,000 से अधिक स्वस्थ वयस्कों में प्रीडायबिटीज की संभावना उन लोगों में दोगुनी हो गई, जो रात में लगभग सात घंटे सोने वालों की तुलना में पांच या उससे कम घंटे सोते थे। दस लाख से अधिक व्यक्तियों का डेटा एकत्र किया गया, जिसमें पाया गया कि पांच या उससे कम घंटे सोने वालों में मधुमेह विकसित होने की संभावना 48% अधिक थी।

सोने-जागने का एक समय बनाएं

लगभग एक ही समय पर जागना और बिस्तर पर जाना सबसे अच्छी चीजों में से एक है जो आप अपनी नींद और सर्केडियन रिदम के लिए कर सकते हैं। अनियमित नींद का पैटर्न आपके कोलेस्ट्रॉल को बढ़ा सकता है और पाचन को खराब कर सकता है।

आहार में अधिक फाइबर शामिल करें

आप जो खाते हैं उसका असर आपकी नींद पर भी पड़ता है। कम फाइबर और उच्च सैट्युरेटिड फैट और चीनी वाला आहार कम आरामदायक नींद का कारण बनता है, जबकि अधिक फाइबर खाने से गहरी, अधिक आराम देने वाली नींद आती है। एक संभावित कारण यह है कि फाइबर हमारी तृप्ति, भूख नियमन और ब्लड शुगर के स्तर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

अपने शरीर को एक्टिव रखें

नियमित शारीरिक एक्टिविटी आपकी नींद की गुणवत्ता में सुधार कर सकती है। केवल 30 मिनट की एक्टिविटी से व्यायाम न करने वालों की तुलना में ज्यादा सही है। नियमित व्यायाम करने से आपके शरीर को ऊर्जा का अधिक कुशलता से उपयोग करने, मांसपेशियों का निर्माण करने में मदद मिलती है।

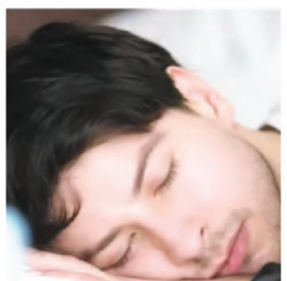

नींबू पानी के फायदे

नींबू पानी पीने से शरीर में एनर्जी आती है। हमें राहत दिला सकती है और वह है नींबू पानी, क्योंकि इसमें विटामिन सी भरपूर मात्रा में पाई जाती है। बड़ा गिलास नींबू पानी पीने के बाद ही मानो शरीर में एनर्जी आती है। हालांकि बहुत से लोग इसे बनाने का सही तरीका नहीं जानते है, जिसकी वजह से उनके शरबत में फीकापन रह जाता है। वहीं, भारत के कुछ हिस्सों में नींबू को 'लिम्बू' के नाम से भी जाना जाता है। आइये जानते हैं नींबू पानी बनाने का परफेक्ट तरीका और कुछ टिप्स और इसके स्वास्थ्य लाभ।

नींबू पानी के स्वास्थ्य लाभ

गर्मी के दिनों में लू से लड़ने में मदद करता है नींबू पानी।

नींबू पानी शरीर को पुनः हाइड्रेट करने में मदद करता है।

वर्कआउट या किसी फिजिकल एक्टिविटी के बाद शरीर में नमक को बहाल करता है।

यह विटामिन सी का अच्छा स्रोत है। नींबू पानी बनाने के लिए इंग्रीडिएंट्स, नींबू, चीनी, पानी, काला नमक

नींबू पानी कैसे बनाएं?

बड़े कटोरे या बड़े मापने वाले कप के ऊपर एक छलनी रखें। नींबू का रस छलनी के ऊपर से निकालना शुरू करें ताकि इसमें सारे बीज और गूदा समा जाएं।

बीज और गूदा निकाल दें। नींबू के रस पाने में चीनी डालें।

अब इसमें काला नमक डालें।

अंत में पानी डालकर मिक्स करें। तब तक हिलाएं जब तक चीनी पानी में पूरी तरह घुल न जाए। सर्विंग गिलास में डालें और परोसें।

परफेक्ट नींबू पानी बनाने के लिए टिप्स

चीनी के टाइप के आधार पर, नींबू पानी का रंग अलग हो सकता है। तुरंत ठंडा नींबू पानी पीने के लिए हमेशा ठंडे पानी का इस्तेमाल करें। ताजा नींबू का रस सबसे अच्छा विकल्प है, लेकिन अगर मौजूदा वक्त में नींबू नहीं है, तो स्टोर से खरीदा हुआ बोतलबंद नींबू का रस भी इस्तेमाल कर सकते हैं। हालांकि, आर्टिफिशियल रस से इसके स्वाद में अंतर आ सकता है।

ब्लैक शर्ट को कैसे सटाइल करें?

रिप्ड जींस के साथ ब्लैक शर्ट

आज के समय में हर कोई 'कूल डूड' दिखना चाहता है। ऐसे में ब्लैक शर्ट के साथ रिप्ड जींस आपको एक साथ टफनेस और कूलनेस देगी! फेडेड, डिस्ट्रेस्ड जींस और स्लिम-फिट ब्लैक शर्ट आपको जनरेशन-जेड का फील देगी। व्हाइट स्नीकर्स आपके लुक में चार चांद लगा सकते हैं। हालांकि यह कॉम्बिनेशन किसी फॉर्मल फंक्शन में कैरी नहीं कर सकते हैं। अच्छे दिखने वाले सफेद स्नीकर्स ऐड करें और चीजों को बेहतर बनाने और कम्पलीट जेन-जेड मूड में बाहर निकलने के लिए अपने आउटफिट को कॉम्पलीमेंट करें।

ब्लू जींस के साथ काली शर्ट

जब भी आप इस सिचुएशन में फंसे कि आज क्या कहना जाए, तब ब्लैक शर्ट और ब्लू जींस आपके लिए सेविअर का काम कर सकती है। यह आउटफिट जितना क्लासिक है उतना ही फ्रेश भी। इससे आप सिंपल भी नजर आते हैं और कॉन्फिडेंट भी। अगर आप एक्सरसाइज करने के शौकीन हैं और अच्छे खासे बाइशेप्स बना रखे हैं, तो हाफ स्लीव ब्लैक शर्ट और टाइट फिटिंग वाली ब्लू जींस के साथ आप किसी का भी ध्यान अपनी तरफ खींच सकते हैं।

ग्रे ट्राउजर के साथ काली शर्ट

ग्रे पैंट के साथ ब्लैक शर्ट एक आकर्षक कॉन्ट्रास्ट लुक देता है। यह आउटफिट आपको स्लिम दिखने में भी मदद कर सकता है। खास बात ये है कि इसे किसी भी कैजुअल फंक्शन के साथ आप अपने ऑफिस में बेझिझक कैरी कर सकते हैं।

ब्राउन पैंट के साथ काली शर्ट

यह कॉम्बिनेशन बेस्ट ब्लैक शर्ट के फॉर्मल आउटफिट्स में से एक माना जा सकता है। लेकिन आप इसे किसी पार्टी में भी पहनना चाहते हैं, तो एक टेक्सचर्ड ब्लैक शर्ट के साथ प्लेन सॉलिड ब्राउन पैंट कैरी करें जो आपकी शर्ट से एक शेड हल्का हो। यकीन मानिए इस आउटफिट के साथ आपको कई लोगों के बीच अलग निखरने से कोई नहीं रोक सकता।

शॉर्ट्स के साथ प्रिंटेड ब्लैक शर्ट

अगर आप वैकेशन्स पर हैं तो प्रिंटेड ब्लैक शर्ट और शॉर्ट्स का कॉम्बिनेशन आपको एकदम कूल और मस्ती वाला फील देगा। इस आउटफिट के साथ अपने सबसे अच्छे सनग्लासेज कैरी करें, अपनी शर्ट के बटन खोलें और फ्लिप-फ्लॉप या जूते पहनकर निकल जाएं एंजॉय करने।

ब्लेज़र के साथ ब्लैक शर्ट

किसी भी कॉन्ट्रास्ट कलर के ब्लेजर और ब्लैक शर्ट के कॉम्बो से ज्यादा अट्रेक्टिव आउटफिट कोई हो नहीं सकता! कोशिश करें कि वह ब्लेजर अपनाएं जो पेस्टल शेड या हल्के रंग का हो और पैंट/जींस से भी अच्छे से मैच करता हो। उदाहरण के लिए, जब आप काले रंग में ओवरऑल मैचिंग ब्लैक शर्ट कॉम्बिनेशन पैंट पहनते हैं, तो फॉन कलर का ब्लेज़र आप पर बहुत अच्छा लगेगा। ब्राउन कलर के डर्बी शूज़ आपके लुक को पूरा करेंगे।

पीली चाय के क्या हैं फायदे

एंटीऑक्सीडेंट की गुणवत्ता

येलो टी में कैटेचिन और पॉलीफेनोल जैसे एंटीऑक्सिडेंट होते हैं, जो फ्री रेडिकल्स के प्रभाव को कम करते हुए ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस के खतरे को कम करने में मदद कर सकते हैं।

हृदय स्वास्थ्य को बनाए रखे

इस चाय में पॉलीफेनोल्स होते हैं, ये एक ऐसा नेचुरल कंपाउंड है जो हार्ट फेलियर और हृदय रोगों के जोखिम को कम करने में मदद करता है। फ्रंटियर्स इन कार्डियोवस्कुलर मेडिसिन जर्नल में एक अध्ययन के अनुसार इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटीऑक्सिडेंट, एंटीथेरोजेनिक और एंटीहाइपरटेंशन इफेक्ट भी होते हैं, जो जोखिम को कम करते हैं।

वेट लॉस में प्रभावी है

कैफीन और कैटेचिन का कॉम्बिनेशन मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने में योगदान देता है, जो वेट मैनेजमेंट में आपकी मदद कर सकता है। कैफीन ऊर्जा व्यय को बढ़ावा देने में मदद करता है, जबकि कैटेचिन वसा ऑक्सीकरण में सहायता कर सकता है।

अब जानें तैयार करने का तरीका:

❖ डेढ़ कप पानी उबालें और इसे मध्यम आंच पर दो मिनट के लिए छोड़ दें।
❖ यदि आप इसे अधिक मजबूत बनाना चाहते हैं, तो इसमें 5 ग्राम येलो टी या इससे अधिक भी मिला सकती हैं। अब 2 से 5 मिनट तक पानी को उबालें।
❖ अपनी पसंद का स्वीटनर डालें और मिठास को अपने स्वाद के अनुसार सेट करें।
❖ कुछ मिनटों के बाद इसे छान लें।
❖ आपकी खूबसूरत येलो टी तैयार है, इसे एंजॉय करें।

मां बनने वाली हैं तो जरूर जान लें ये टिप्स

मां बनना हर महिला के लिए बहुत स्पेशल होता है। जो महिलाएं दूसरी बार मां बनती हैं उन्हें काफी हद तक एक्सपीरियंस होता है, लेकिन जो महिलाएं पहली बार मां बनती हैं उन्हें समझ नहीं आता है कि इतने बदलाव को वह किस तरह से मैनेज करें। इसलिए जरूरी है कि आप मां बनने से पहले कुछ जरूरी चीजें जान लें ताकि बाद में आपको किसी तरह की दिक्कत न हो।

पर्सनल हाइजीन जरूर रखें

जब कोई महिला शिशु को जन्म देती है तो वह कई तरह से संक्रमण से घिरी रहती है। भले ही ये संक्रमण मां को नुकसान न पहुचाएं,लेकिन शिशु की इम्युनिटी बहुत कमजोर होती है इसलिए उसे संक्रमित कर सकते हैं। इसलिए मां को हाइजीन का खास ख्याल रखने की सलाह दी जाती है। मां को जरूरत है कि वह बीच-बीच में अपने हाथों को धोती रहे, ब्रेस्ट फीड कराने से पहले अपने स्तनों को किसी गीले कपड़े से पोछें और अपने मुंह व आसपास भी सफाई रखें।

आराम है जरूरी

बच्चों और एडल्ट के सोने के समय में बहुत फर्क होता है। बच्चे अक्सर रात में उठते हैं और दिन में सोते हैं। जब बच्चा जगता है तो वह चाहता है कि उसकी मां उसके सामने हो और उसके साथ खेले। इसलिए कोशिश करें कि जब बेबी सो रहा हो तो आप भी उसी समय सोएं और उस दौरान अपने कामों की जिम्मेदारी घर के अन्य सदस्यों को दे दें।

पर्याप्त पोषण लें

प्रेगनेंसी और शिशु के जन्म के बाद आपके शरीर में कई तरह के बदलाव होते हैं जिससे आपको एक्स्ट्रा पोषण और न्यूट्रीशन लेने की जरूरत होती है। इसलिए संतुलित डाइट लें और खूब सारा पानी पीकर खुद को हाइड्रेट रखें।

टैनिंग से निजात पाने के लिए आप घर पर बने घरेलू नुस्खों और कुछ आसान उपायों को अपना सकते हैं। टैनिंग कम करने के लिए दही-शहद, बेसन-दही, और हल्दी-दूध के पेस्ट का इस्तेमाल करें। इसके अलावा, खीरे, एलोवेरा और टमाटर जैसे ठंडे और प्राकृतिक तत्वों का भी उपयोग कर सकते हैं, क्योंकि ये त्वचा को ठंडक पहुंचाते हैं और एक्सफोलिएट करते हैं। धूप में जाने से पहले हमेशा सनस्क्रीन लगाएं और जितना हो सके, सीधे धूप से बचें।

टैनिंग से निजात पाने के टिप्स

नींबू का रस और शहद का मास्क

नींबू का रस एक प्राकृतिक ब्लीचिंग एजेंट है जो टैन को हल्का करने में मदद करता है। शहद त्वचा को नमी देता है जिससे स्किन सॉफ्ट होती है। एक कटोरी में एक नींबू निचोड़ें और 2 चम्मच शहद मिलाएं। इन्हें अच्छे से मिलाएं और टैन वाली जगह पर लगाएं। मास्क को लगभग 15-20 मिनट के लिए छोड़ दें और फिर इसे धो लें। जैसे ही आप त्वचा को तौलिए से पोंछेंगे आपको चमक मिलेगी।

एलोवेरा जेल

एलोवेरा का इस्तेमाल लंबे समय से एक औषधीय पौधे के रूप में किया जाता रहा है और इसके बिना स्किनकेयर लगभग अधूरा है। यह स्किन को हाइड्रेटेड रखकर आराम पहुंचाने में मदद करता है और टैनिंग को भी कम करता है। प्रभावित क्षेत्रों पर ताजा एलोवेरा जेल लगाएं और लगभग 30 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर इसे गुनगुने पानी से धो लें।

टमाटर का मास्क

एक शोध पत्र के अनुसार, टमाटर विटामिन सी, ई और बीटा कैरोटीन से भरपूर होता है जो त्वचा को प्राकृतिक चमक देने और चमकदार बनाने में मदद करता है, जिससे उसका प्राकृतिक रंग सामने आता है। एक पके टमाटर को मुलायम गूदे में मिला लें और इसे अपनी त्वचा के टैन वाले क्षेत्रों पर लगाएं। धोने से पहले मास्क को लगभग 15-20 मिनट तक अपनी त्वचा पर लगा रहने दें।

बेसन और हल्दी स्क्रब

भारत में लगभग सभी स्किन प्रॉब्लम के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता है। ये सबसे लोकप्रिय और भरोसेमंद 'नुस्खों' में से एक है। बेसन त्वचा को एक्सफोलिएट करने और डेड स्किन सेल्स और टैन को हटाने में मदद करता है।वहीं हल्दी चमक बिखेरती है और रंग को निखारती है। एक कटोरे में दो बड़े चम्मच बेसन, एक या दो चुटकी हल्दी पाउडर और थोड़ा दूध मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे टैन वाली जगह पर लगाएं और सर्कुलर मोशन में रगड़ें और सूखने के बाद धो लें।

कौन-सा इनडोर प्लांट देता है खुशबू

अपने घर को खूबसूरत हर कोई दिखाना चाहता है। घर को खूबसूरत बनाने के लिए लोग अपने घर में फोटो फ्रेम, पेटिंग्स लगाते हैं लेकिन पेड़-पौधों से भी आप अपने घर को बहुत अच्छा सजा सकते हैं। पेड़-पौधों को घर पर लगाने से घर का वातावरण शुद्ध रहेगा। साथ में आपका घर हरा-भरा भी दिखेगा। घर में पेड़-पौधे लगाने से घर का माहौल भी अच्छा रहेगा।अगर आप अपने घर में पेड़-पौधे लगाने का सोच रहे हैं तो आप अपने घर में कुछ ऐसे पौधे लगा सकते हैं जो घर की खूबसूरती बढ़ाने के साथ साथ घर में खुशबू भी बनाएं रखेंगे। आइए जानते हैं इन्ही पौधों के बारे में।

ऑर्किड

ऑर्किड का पौधा आप घर पर लगा सकते हैं। ऑर्किड का फूल बहुत ही सुंदर और आकर्षक होता है। इस पौधे को घर पर लगाने से घर की खूबसूरती बढ़ जाएगी।

प्लूमेरिया

प्लूमेरिया का फूल देखने में काफी सुंदर होता है। इस पौधे पर पीले और नारंगी के फूल आते हैं, जिनमें से खुशबू भी काफी अच्छी आती है। इन फूलों की खुशबू काफी स्टॉग होती है ।

पीस लिली

पीस लिली सफेद रंग के फूल होते हैं जो शांति का प्रतीक होते हैं। पीस लिली को आप घर में लगा सकते हैं। पीस लिली को घर में लगाने से घर का वातावरण काफी अच्छा रहेगा।

कैलेडियम

कैलेडियम के पौधे के पत्ते बाकी पौधों के पत्ते से काफी अलग होते हैं। इस पौधे के पत्ते पर गुलाबी, सफेद और हरे रंग से डिजाइन बना होता है। ऐसे में आप कैलेडियम को अपने घर पर रख सकते हैं।

लैवेंडर

लैवेंडर के फूल घर में सजाने के लिए बेस्ट चॉइस है।लैवेंडर के फूलों में से काफी अच्छी खुशबू आती है। इन्हे घर में लगाने से आपका मूड भी फ्रेश रहेगा।

ईओडब्लू/एसीबी के तीन बड़े अफसरों पर फर्जी दस्तावेज़ बनाने का आरोप, कोर्ट ने भेजा नोटिस

रायपुर (समय दर्शन)। न्यायिक प्रक्रिया में कथित रूप से फर्जीवाड़ा कर सुप्रीम कोर्ट में कूटरचित दस्तावेज पेश करने के गंभीर मामले में एसीबी/ईओडब्ल्यू (EOW/ACB) के तीन वरिष्ठ अधिकारियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। एक दांडिक परिवाद पर सुनवाई करते हुए न्यायिक दंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी (JMFC) आकांक्षा बेक के न्यायालय ने तीनों प्रस्तावित अभियुक्तों को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा है।

न्यायालय ने ईओडब्ल्यू/एसीबी के निदेशक अमरेश मिश्रा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चंद्रेश ठाकुर, और उपपुलिस अधीक्षक राहुल शर्मा को व्यक्तिगत रूप से दिनांक 25 अक्टूबर को न्यायालय में उपस्थित होकर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

क्या है पूरा मामला ?- अधिवक्ता गिरिश चंद्र देवांगन द्वारा न्यायालय में पेश किए गए दांडिक परिवाद के अनुसार, यह मामला अपराध क्रमांक 02/2024 और 03/2024 की विवेचना से जुड़ा है। आरोप है कि तीनों जांच अधिकारियों (विवेचकों) ने सूर्यकांत तिवारी की अंतरिम जमानत निरस्त कराने के उद्देश्य से उच्चतम न्यायालय के समक्ष फर्जी दस्तावेज प्रस्तुत किए।

परिवाद में कहा गया है कि विवेचकों ने धमतरी जेल में बंद निखिल चंद्राकर का धारा 164 दण्ड प्रक्रिया संहिता के तहत न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, रायपुर के न्यायालय में वास्तविक कथन नहीं कराया। इसके बजाय, उन्होंने अपने कार्यालय के कंप्यूटर पर धारा 164 CrPC से संबंधित दस्तावेज तैयार किए और न्यायालय को प्रभावित कर उनका प्रिंटआउट में निखिल चंद्राकर का केवल हस्ताक्षर करवाकर सुप्रीम कोर्ट में पेश कर दिया।

फोरेंसिक जांच में हुआ खुलासा- परिवाद के साथ संलग्न फोरेंसिक रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया गया है कि विवेचकों द्वारा तैयार किए गए धारा 164 CrPC के दस्तावेज और न्यायालय की प्रमाणित प्रतिलिपि की आदेश पत्रिका का फॉन्ट मेल नहीं खाता। विशेषज्ञ ने यह भी पाया कि विवेचकों के दस्तावेज में मिश्रित फॉन्ट का उपयोग किया गया है।

परिवादी का आरोप है कि ये तीनों अधिकारी न्यायिक प्रक्रिया के दौरान षड्यंत्रपूर्वक मिथ्या साक्ष्य गढ़ने और अन्य निर्दोषों को झूठा फंसाने के इरादे से कूटरचना के दोषी हैं।

इस संबंध में अधिवक्ता गिरिश चंद्र देवांगन ने उच्च न्यायालय बिलासपुर के सतर्कता विभाग को भी लिखित शिकायत दी है। अब न्यायिक दंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी न्यायालय द्वारा संज्ञान लिया जाना इन वरिष्ठ अधिकारियों के लिए एक बड़ी कानूनी चुनौती बन गया है।

संक्षिप्त समाचार

रजत जयंती महोत्सव 2025 के उपलक्ष्य में पाटेकोहरा चेक पोस्ट पर स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित

राजनांदगांव। रजत जयंती महाउत्सव 2025 के शुभ अवसर पर विकासखंड छुरिया अंतर्गत पाटेकोहरा परिवहन चेक पोस्ट में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र छुरिया द्वारा एक दिवसीय स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य शिविर में खंड चिकित्साधिकारी डॉ. ओमेश भगत तथा बीईटीओ सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम की उपस्थिति रही। शिविर में बड़ी संख्या में ट्रक चालकों एवं चेक पोस्ट पर कार्यरत स्टाफ का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

परीक्षण में हीमोग्लोबिन जांच, सिकलिंग टेस्ट, एचआईवी जांच, टीबी स्क्रीनिंग, हेपेटाइटिस-बी स्क्रीनिंग एवं हेपेटाइटिस-बी वैक्सीनेशन शामिल रहा। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने उपस्थित सभी लाभार्थियों को उनके स्वास्थ्य से संबंधित जरूरी जानकारियां भी प्रदान कीं।

इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार के शिविरों से परिवहन क्षेत्र में कार्यरत लोगों को समय पर स्वास्थ्य जांच का लाभ मिल रहा है, जिससे गंभीर बीमारियों की समय रहते पहचान और रोकथाम संभव हो रही है।

कार्यक्रम को सफल बनाने में स्वास्थ्य विभाग, आरटीओ विभाग तथा चेक पोस्ट स्टाफ की सराहनीय भूमिका रही।

न्यायालय में लंबित प्रकरण जल्द निपटाए जाएंगे-कावरे

सभी मामले आन लाइन दर्ज । 0 2607 प्रकरण अभिलेख कोष में जमा । 0 मामले की सुनवाई सप्ताह में तीन दिन । 0 2426 मामले निराकृत

रायपुर/ संभागायुक्त महादेव कावरे, न्यायालय आयुक्त एवं न्यायालय अपर आयुक्त रायपुर संभाग के संयुक्त प्रयास से अभियान चलाकर 2607 निराकृत प्रकरणों को रायपुर संभाग रायपुर के अभिलेख कोष्ठ जमा कराया गया है। वर्तमान में संभागायुक्त के प्रयास से दोनों न्यायालय आयुक्त एवं अपर आयुक्त रायपुर संभाग के सभी प्रकरणों को ऑनलाईन दर्ज कर प्रकरणों से संबंधित सभी कार्यवाही ऑनलाईन किया जा रहा है। संभागायुक्त श्री कावरे ने बताया कि प्रकरणों को शीघ्र निराकरण हेतु सप्ताह में तीन दिन सोमवार, बुधवार एवं शुक्रवार को एवं अपर आयुक्त में मंगलवार एवं गुरूवार को पेशी नियत कर सुनवाई कि जा रही है। 1 वर्ष में कुल निराकृत प्रकरण 2426 किया गया है। निराकृत प्रकरणों का आदेश ऑनलाईन अपलोड किया जा रहा है जिसे केस नम्बर डाल कर अपीलार्थी/उत्तरवारी द्वारा अवलोकन किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रकरणों की स्थिति देखने हेतु राजस्व विभाग के वेबसाईट-द्धह्लह्लश्च-ह्य://ह्द्द1द्ठह्वद्द.ष्द्द.ठ्ठद्बष्.द्बठ्ठ में जाकर प्रकरण खोजे में प्रकरण क्रमांक डालकर प्रकरण की स्थिति देखा जा सकता है तथा आदेश हुए प्रकरणों की आदेश की कापी डाउनलोड किया जा सकता है। प्रकरण की पंजीयन के दौरान अपीलार्थी, उत्तरवादी एवं अधीवकतागणों का मोबाईल नंबर ऑनलाईन दर्ज किया जा रहा है जिससे प्रकरण की पंजीयन क्रमांक एवं आगामी देशी तिथियों की जानकारी मेंसेज की माध्यम से उनके रजिस्टर्ड मोबाईल नंबर में सूचना भेजी जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रकरण में प्रतिदिन की गई कार्यवाही की आर्डरशीट ऑनलाईन अपलोड किया जा रहा है। न्यायालय में लंबित 5 वर्ष से अधिक अवधि के प्रकरणों को प्राथमिकता देकर प्रति सप्ताह सुनवाई संभागायुक्त द्वारा किया जा रहा है।

मांझीगुडा एवं जामावाडा में विश्व बालिका दिवस मनाया गया

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ रजत जयंती के अवसर पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा किए जाने वाले विभिन्न गतिविधियों के तहत आज दिनांक 11 अक्टूबर को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नानगुर के अंतर्गत माध्यमिक शाला मांझीगुडा में विश्व बालिका दिवस का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न प्रकार के खेल जैसे क्विज, बैलून, गेम ,म्यूजिकल चेयर आदि गेम किया गया तथा इस अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नानगुर के बीएमओ डॉक्टर राधेश्याम भवर द्वारा बालिकाओ के स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी दी गई तथा प्रधान अध्यापक जी पी राव द्वारा बालिकाओं को शिक्षा एव लिंगानुपात के संबंध में बताया गया. सुपरवाइजर नरेश मरकाम द्वारा गीतों के माध्यम से बालिकाओ की स्वास्थ्य के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई एवं आरबीएस के डाक्टर रिवान साहू व चिरायु टीम द्वारा स्वास्थ्य जांच के साथ-साथ स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान किया गया ।

गाय का सफल सिजेरियन ऑपरेशन, बछड़े समेत बची जान

राजनांदगांव (समय दर्शन)। जिला पशु चिकित्सालय की तत्परता और समर्पण ने एक बार फिर साबित कर दिया कि समय पर मिला उपचार जीवनदायी हो सकता है। शहर के लालबाग कॉलोनी स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय संस्था के सामने बीती रात से प्रसव पीड़ा से जूझ रही एक घुमंतू गाय की जान पशु चिकित्सकों ने बचा ली। गाय के साथ उसका नवजात बछड़ा भी पूरी तरह सुरक्षित है।

जानकारी के अनुसार, गाय रातभर प्रसव का प्रयास कर रही थी, लेकिन सफलता नहीं मिल रही थी। अत्यधिक कमजोरी के चलते वह बैठ गई और आगे कोई प्रयास नहीं कर पा रही थी। सुबह संस्था की एक दीदी ने स्थिति को गंभीर समझते हुए जिला पशु चिकित्सालय से संपर्क किया।

सूचना मिलते ही पशु चिकित्सालय से डॉ. तरुण रामटेके अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। प्रारंभिक जांच में उन्होंने पाया कि गाय को गर्भाशय में मरोड़ है, जिसके कारण सामान्य प्रसव असंभव हो गया था। ऐसे में तत्काल निर्णय लेते हुए डॉ. रामटेके ने गाय का सिजेरियन ऑपरेशन करने का फैसला लिया। यह ऑपरेशन बेहद जटिल था, लेकिन डॉक्टर की कुशलता और टीमवर्क के दम पर पूरी तरह सफल रहा। ऑपरेशन के दौरान डॉ. तरुण रामटेके के साथ बलराज सिंह चौहान, हर्ष ठाकुर, पीयूष कश्यप और इंटर्नशिप कर रहे विद्यार्थियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सभी के सामूहिक प्रयासों से गाय और उसके बछड़े दोनों को जीवनदान मिल सका।

संस्था के सदस्यों ने पशुपालन विभाग की त्वरित सेवा और कर्मनिष्ठा की खुले दिल से प्रशंसा की। इस मौके पर डॉ. रामटेके ने कहा कि, पशु भी हमारे परिवार का हिस्सा होते हैं, समय पर इलाज से उनकी जान बचाई जा सकती है। पशु चिकित्सा विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी पशु को प्रसव में कठिनाई हो रही हो तो तत्काल जिला पशु चिकित्सालय से संपर्क करें, ताकि समय रहते उचित उपचार दिया जा सके।

शिक्षक ने जन्म दिन के अवसर पर विद्यालय में अपने खर्च से फ्री डिश टीवी सेट लगवाया

न्यूज़ 100
पहले चरण में 6 नवंबर को 121 सीट पर होगा मतदान
vivo V27

बिर्रा। लीला मंडली चौक बिर्रा निवासी शिक्षक बुद्धेश्वर कुमार कश्यप ने अपने जन्मदिन के शुभ अवसर पर अपने विद्यालय में फ्री डिश टीवी का पूरा सेट अपने खर्च से लगवाया है। वर्तमान में शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला सलिहाघाट में पदस्थ में पदस्थ है। शिक्षक बुद्धेश्वर कुमार कश्यप ने बताया कि वे अपने जन्म दिन के अवसर पर पढ़ाई को डिजिटल प्लेटफार्म से जोड़ने और रुचिकर बनाने के लिए विद्यालय में फ्री डिश टीवी का सेट अपने स्वयं के खर्च लगवाया है। इसका उद्देश्य बच्चों को समय समय पर प्रेरणा दायक चलचित्र दिखाना,नियमित रूप से समाचार का वाचन करना ,परीक्षा पे चर्चा, शिक्षा को डिजिटल क्रांति से जोड़ना आदि विभिन्न प्रकार के शैक्षणिक चैनल के माध्यम से अध्यापन को प्रभावी बनाना है। इससे बच्चों के अध्यापन कार्य संपन्न होने के बाद शैक्षिक गतिविधियों पर आधारित चैनल के माध्यम ज्ञानार्जन कराया जाता है। देश विदेश की ताजा समाचार का ज्ञान बच्चों को प्रार्थना के समय बताया जाता है। जिज्ञासा के साथ बच्चे इसका लाभ ले रहे है। ग्राम पंचायत सालिहाघाट के सरपंच सियाराम पटेल और शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष श्री राम पटेल, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला सलियाघाट के प्रभारी प्राचार्य अभय कुमार पांडेय तथा समस्त स्टाफ ने इस नेक कार्य के लिए शिक्षक बुद्धेश्वर कश्यप को उनके जन्मदिवस पर बधाई एवं धन्यवाद दिए है।

शिकायतों से घिरे पंचायत सचिव सस्पेंड

कार्यालय
जनपद पंचायत पिथौरा
जिला - महासमुन्द (छ.ग.)

पिथौरा (समय दर्शन)। महासमुंद जिले के ग्राम पंचायत बड़ेलोरम, जनपद पंचायत पिथौरा के सचिव मोहन पटेल को लापरवाही, उदासीनता तथा वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों की अवहेलना के आरोप में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत महासमुंद द्वारा तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

प्राप्त प्रतिवेदन से मिली जानकारी के अनुसार, श्री पटेल द्वारा ग्राम पंचायत कार्यालय नियमित रूप से संचालित नहीं किया जा रहा था, तथा जन्म-मृत्यु पंजीयन, पेंशन भुगतान, आय-जाति-निवास प्रमाण पत्र निर्माण एवं अन्य पंचायत कार्यों में विलंब किया जा रहा था। इसके अतिरिक्त, ग्रामसभा का आयोजन नहीं करने, योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही बरतने और चार माह तक अनुपस्थित रहने की पुष्टि हुई थी।

परिणााम स्वरूप निलंबन की कार्यवाही की गई है। ग्राम पंचायत बड़ेलोरम में सचिव के रूप में सूरज साहू को प्रभार दिया गया है।

साहू परिवार में खिला दुर्लभ ब्रह्मकमल का फूल

भांटापारा निवाशी महेंद्र साहू के घर रात में खिले छह ब्रह्मकमल

बिर्रा-सिलादेही। भांटापारा निवाशी महेंद्र साहू (पिता ङ्क सहेत्तर साहू) के घर पर बुधवार और गुरुवार की रात एक अद्भुत व दुर्लभ दृश्य देखने को मिला। बुधवार की रात में तीन ब्रह्मकमल खिले और गुरुवार की रात में फिर तीन ब्रह्मकमल खिले।

ब्रह्मकमल को हिन्दू धर्म में पवित्रता और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। यह फूल केवल रात में खिलता है और कुछ ही घंटों में मुरझा जाता है।

महेंद्र साहू के घर इतने ब्रह्मकमल एक साथ खिलने की खबर फैलते ही आसपास के लोग इस अलौकिक नजारे को देखने पहुंचे।

फूलों की मनमोहक सुगंध और दिव्यता ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

परिवारजनों का कहना है कि यह उनके जीवन का सौभाग्यपूर्ण क्षण है, क्योंकि ब्रह्मकमल का खिलना शुभ संकेत माना जाता है।

श्रेयस मीडिया पूरे भारत में कार्निवल शुरू करने के लिए तैयार

नईदिल्ली । श्रेयस मीडिया द्वारा हाल ही में आयोजित विजयवाड़ा उत्सव ने न केवल गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज कराया है, बल्कि दुनिया के सबसे बड़े कार्निवल के रूप में वैश्विक ध्यान भी आकर्षित किया है। भारत, अमेरिका, कनाडा और यूएई में फिल्म प्रचार और अन्य 3,500 से ज़्यादा कार्यक्रमों का आयोजन करने वाले श्रेयस मीडिया ने विजयवाड़ा उत्सव में लाखों लोगों को लाकर कार्निवल के आयोजन में अपनी क्षमता और क्षमता का प्रदर्शन किया है। कार्निवल की सफलता से उत्साहित होकर, कंपनी ने देश भर में इसी तरह के कार्निवल के माध्यम से बिहू, ओणम, गणेश चतुर्थी, पोंगल, लोहड़ी, दुर्गा पूजा और संक्रांति जैसे क्षेत्रीय त्योहारों में नया आकर्षण लाने का फैसला किया है। वर्ष भर चलने वाले उत्सव

श्रेयस मीडिया ने आंध्र प्रदेश के अराकू और गंडिकोटा जैसे पर्यटन स्थलों पर विदेशी कलाकारों के साथ साल भर उत्सव मनाने का फैसला किया है। कृषि को नई ऊँचाइयों पर ले जाने के लिए, इस संक्रांति पर वह भव्य रूप से किसान महोत्सव आयोजित करने की योजना बना रहा है। विजयवाड़ा उत्सव की तर्ज पर, वह विशाखापत्तनम और तिरुपति में नववर्ष और संक्रांति मनाएगा। वह विजयवाड़ा में दिवाली, नववर्ष और संक्रांति भी मनाएगा। वह आंध्र प्रदेश में साल भर 30 बड़े संगीत कार्यक्रम भी आयोजित करेगा, साथ ही अराकू कॉफ़ी महोत्सव का भी भव्य आयोजन करेगा।

DTCP-Approved, | Ready-to-Construct
Near Collectorate, Khammam
PREMIER

स्थानीय अर्थव्यवस्था के विकास को बढ़ावा देना- श्रेयस मीडिया के फाउंडर गंद्रा श्रीनिवास राव ने कहा कि उनकी कंपनी ने विजयवाड़ा उत्सव को एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में आयोजित किया और कार्निवल क्षेत्र में इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी बना ली । श्रीनिवास राव ने बताया, विभिन्न संस्कृतियों का अद्भुत संगम, भारत अपने उत्सवों के लिए जाना जाता है। विभिन्न राज्यों में विजयवाड़ा उत्सव जैसे कार्निवल आयोजित करके, त्योहारों को अच्छी यादों में बदला जा सकता है। देश-विदेश के लोगों को एक मंच पर लाया जा सकता है। हम अपने देश, राज्यों और अपने त्योहारों के प्रति लोगों में देशभक्ति की भावना जगा सकते हैं। इसके अलावा, लाखों लोगों के कार्निवल देखने और उसका अनुभव करने आने से स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिलेगा। परिणामस्वरूप, संबंधित राज्य सरकार को अधिक आय प्राप्त होगी। साथ ही, कई ब्रांड भी बढ़ेंगे। इसके अलावा, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा। उन्होंने याद दिलाया कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू ने विजयवाड़ा उत्सव पर अपनी खुशी व्यक्त की थी, क्योंकि इसे गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में शामिल किया गया था और अमरावती के गौरव के रूप में वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर स्थान मिला था।

रिकार्डों की भरमार- श्रेयस मीडिया ने सोसाइटी फॉर वाइब्रेंट विजयवाड़ा और आंध्र प्रदेश टूरिज्म के सहयोग से विजयवाड़ा उत्सव का आयोजन किया। 22 सितंबर से शुरू हुए इस 11 दिवसीय उत्सव में 284 कार्यक्रम आयोजित किए गए। 3,000 से ज़्यादा कलाकारों ने दर्शकों का मनोरंजन किया और विजयवाड़ा की सड़कें रंग-बिरंगी हो गईं। दुनिया में पहली बार, 11 दिनों में 11 संगीत कार्यक्रम और 11 ड्रोन शो आयोजित किए गए, जिससे दशहरा उत्सव की रौनक और बढ़ गई।

चार दिनों तक शहर और दर्शकों को एक शानदार पटाखे के शो ने मंत्रमुग्ध कर दिया।

श्रीनिवास ने कहा कि इस कार्निवल ने न केवल तेलुगु लोगों को, बल्कि अन्य राज्यों के लोगों को भी आकर्षित किया। उनके अनुसार, विजयवाड़ा के सांसद केसिनेनी शिवनाथ (चिन्नी) ने इस कार्निवल को सफल बनाने के लिए अथक प्रयास किया। उन्होंने कहा कि सोसाइटी फॉर वाइब्रेंट विजयवाड़ा ने भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

1,000 करोड़ रुपये का कारोबार- आमतौर पर हर साल दशहरा के मौके पर विजयवाड़ा में सिर्फ़ 15 लाख लोग आते हैं। श्रीनिवास ने बताया, 卐विजयवाड़ा उत्सव की बदौलत इस साल लगभग 50 लाख लोग विजयवाड़ा आए। अनुमान है कि स्थानीय स्तर पर 1,000 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ। विजयवाड़ा उत्सव में 15 लाख से ज़्यादा लोगों ने हिस्सा लिया। प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 25,000 लोगों को रोज़गार मिला है। विजयवाड़ा एक्सपो में 600 स्टॉल लगाए गए हैं। हमने अगले पाँच सालों में विजयवाड़ा उत्सव के ज़रिए 5,000 करोड़ रुपये के कारोबार का लक्ष्य रखा है। अगर राज्य सरकारें सहयोग करें तो श्रेयस मीडिया देश के सभी शहरों में ऐसे कार्निवल आयोजित करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि ब्रांड भी ऐसे कार्निवल को सहयोग देने के लिए आगे आ रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि हमने महाकुंभ मेले के विज्ञापन अधिकार हासिल किए और हज़ारों ब्रांड्स को करोड़ों लोगों के करीब लाए। हम कार्निवल के ज़रिए उस सफलता को दोहरा सकते हैं।

खबर-खास

जवानों ने भारी मात्रा में बरामद की विस्फोटक सामग्री

गरियाबंद। गरियाबंद जिले के थाना शोभा अंतर्गत ग्राम रक्शापथरा के जंगल क्षेत्र में पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त कार्रवाई के दौरान भारी मात्रा में विस्फ ोटक सामग्री, कुकर, इलेक्ट्रिक स्विच, टैबलेट, इंजेक्शन और दवाइयां बरामद की गई हैं। मिली जानकारी के अनुसार जवानों ने मुखबिर से सूचना मिली कि जिला मुख्यालय से करीब 70 किलोमीटर दक्षिण दिशा में स्थित ग्राम रक्शापथरा के जंगल क्षेत्र में माओवादियों की उदंती एरिया कमेटी ने पुलिस पार्टी और ग्रामीणों को नुकसान पहुंचाने के इरादे से आईईडी बनाने हेतु विस्फोटक सामग्री डंप कर रखी है। जानकारी के बाद 11 अक्टूबर 2025 को जिला पुलिस बल गरियाबंद की ऑपरेशन टीम ई-30, बीडीएस टीम और यंग प्लाटून 65 बटालियन सीआरपीएफ की संयुक्त टुकड़ी ने रक्शापथरा, कोसमबुड़ा और भालूपानी के जंगल-पहाड़ी इलाकों में सर्च ऑपरेशन चलाया. सर्चिंग के दौरान बीडीएस टीम को एक पेड़ के पास पत्थरों के नीचे संदिग्ध डंप का पता चला. खुदाई करने पर सुरक्षित तरीके से छिपाए गए विस्फोटक, कुकर, मेडिकल सामग्री और दवाइयां बरामद की गई। लोकेश

गनियारी दोहरे हत्याकांड का खुलासा: अवैध संबंधों के भय से चुमेन्द्र निषाद ने दादी-पोती की की थी निर्मम हत्या

दुर्ग। थाना पुलगांव क्षेत्र के ग्राम गनियारी में पिछले वर्ष हुए सनसनीखेज दोहरे हत्याकांड का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। यह जघन्य अपराध 6 मार्च 2024 को घटित हुआ था, जिसमें एक वृद्धा और उसकी नाबालिग पोती की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। अब लगभग डेढ़ वर्ष बाद पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी चुमेन्द्र निषाद और उसके साथी पंकज निषाद को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक अन्य आरोपी फरार बताया जा रहा है। घटना का विवरण 6 मार्च 2024 की रात ग्राम गनियारी में वृद्धा और उसकी नाबालिग पोती मृत अवस्था में पाई गई थीं। दोनों के शरीर पर धारदार और भोथरे हथियारों से वार के कई निशान मिले थे। घटना की सूचना पर एफएसएल, फिंगर प्रिंट यूनिट, डॉग स्क्वॉड और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे थे। शवों का पोस्टमार्टम कराया गया और मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष जांच टीम का गठन किया गया, जिसमें राजपत्रित अधिकारी और एसीसीयू के अधिकारी-कर्मचारी शामिल थे। जांच के दौरान पुलिस ने 62 संदिग्धों से पूछताछ की और उनके आपराधिक रिकॉर्ड खंगाले। इसके बाद अहमदाबाद और रायपुर में कई संदिग्धों का ब्रेन मैपिंग, पॉलीग्राफ और नार्को टेस्ट कराया गया। इन वैज्ञानिक परीक्षणों से मिले साक्ष्यों ने जांच को निर्णायक मोड़ दिया। कैसे हुआ हत्या का खुलासा पुलिस पूछताछ में मुख्य आरोपी चुमेन्द्र निषाद ने स्वीकार किया कि उसका मृतिका बालिका के साथ अवैध संबंध था। बाद में उसकी सगाई 19 फरवरी 2024 को किसी अन्य युवती से हो चुकी थी। मृतिका को यह जानकारी मिल गई थी और उसने सहेलियों के माध्यम से आरोपी के परिवार को बदनाम करने की बात कही थी। यही भय चुमेन्द्र के लिए घातक साबित हुआ। आरोपी ने अपने सहयोगी पंकज निषाद और एक अन्य साथी के साथ मिलकर बालिका और उसकी दादी की हत्या की योजना बनाई। घटना की रात आरोपी अपने दोस्तों के साथ चौथिया खाने, उतई के पास घुघसीडीह गया ताकि लोगों को गुमराह किया जा सके। रात करीब 1 से 1:30 बजे वह गांव लौटा और अपने भाई को दरवाजा खोलने के लिए कहा। भाई के सो जाने के बाद उसने अपने साथियों को व्हाट्सएप कॉल के माध्यम से बुलाया।

प्रदेश भाजयुमो अध्यक्ष राहुल योगराज टीकरिहा का कवर्धा में भव्य स्वागत

श्री टीकरिहा ने कार्यकर्ताओं में भरा जोश- मनीराम साहू

कवर्धा (समय दर्शन)। प्रदेश भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष राहुल योगराज टीकरिहा गुरुवार को पहली बार कवर्धा पहुंचे। उनके स्वागत के लिए भाजयुमो कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। जिला भाजयुमो अध्यक्ष मनीराम साहू के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष का भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया।

पूरे शहर में स्वागत का माहौल उत्सव में तब्दील हो गया। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार गुरुवार को कवर्धा-रायपुर मार्ग स्थित महिन्द्रा शो-रूम के पास कार्यकर्ता बड़ी संख्या में एकत्र हुए। जिलाध्यक्ष मनीराम साहू, सचिन गुप्ता, योगेश चंद्रवंशी महामंत्री भाजयुमो सहित सैकड़ों युवा कार्यकर्ताओं ने गाजे-बाजे, ढोल-नगाड़े, फूल-मालाओं और आतिशबाजी के साथ प्रदेश अध्यक्ष राहुल योगराज टीकरिहा का शानदार स्वागत किया। उनके स्वागत में भाजयुमो जिंदाबाद, राहुल टीकरिहा जिंदा बाद जैसे नारों से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो उठा। स्वागत कार्यक्रम के पश्चात मोटरसाइकिल रैली के रूप में युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष के काफिले को नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए जिला भाजपा कार्यालय तक पहुंचाया। रैली के दौरान युवाओं में भारी उत्साह देखने को मिला। नगर के सिग्नल चौक, गांधी चौक और अन्य स्थानों पर भी श्री टीकरिहा का फूल वर्षा और जयकारों के साथ स्वागत किया गया।

भारतीय जनता युवा मोर्चा के
प्रदेश अध्यक्ष
श्री राहुल योगराज टीकरिहा जी
प्रथम आगमन

भाजपा जिला कार्यालय पहुंचने पर राहुल योगराज टीकरिहा ने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर संगठन की मजबूती पर चर्चा की। उन्होंने युवा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा की रीढ़ शक्ति युवा हैं और युवा मोर्चा संगठन की अग्रिम पंक्ति में कार्य करता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों और संगठन विस्तार के लिए जुट जाने का आह्वान किया। वहीं जिला भाजपा अध्यक्ष राजेंद्र चंद्रवंशी ने कहा कि युवा मोर्चा भाजपा संगठन की रीड की हड्डी है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के कंधों पर पार्टी की पार्टी की बड़ी जिम्मेदारी होती है, मुझे पूरा विश्वास है कि भारतीय जनता युवा मोर्चा पार्टी को लगातार आगे बढ़ाने में अपना योगदान देगी।

इस अवसर पर भाजयुमो जिलाध्यक्ष मनीराम साहू ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष का यह दौरा जिले के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। उन्होंने संगठन में नई ऊर्जा का संचार होने की बात कही। कार्यक्रम में भाजयुमो पदाधिकारी, भाजपा जिला पदाधिकारी और बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। पूरे आयोजन के दौरान वातावरण पूरी तरह उत्साह और जोश से भरा रहा। इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला भाजपा के अध्यक्ष राजेंद्र चंद्रवंशी, पूर्व जिला भाजपा अध्यक्ष रामकुमार भट्ट, जिला पंचायत के उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, जिला भाजपा के महामंत्री संतोष पटेल, नगर पालिका के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, पूर्व जिला भाजपा अध्यक्ष अनिल ठाकुर, जिला भाजपा के उपाध्यक्ष जसविंदर बग्गा, युवा मोर्चा के प्रदेश मंत्री पीयूष ठाकुर ठाकुर, महामंत्री सचिन गुप्ता, योगेश चंद्रवंशी सहित कवर्धा जिला के युवा मोर्चा के समस्त जिला पदाधिकारी सभी मंडल के अध्यक्ष मंडल के महामंत्री महामंत्री एवं समस्त कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शासकीय जमीन से नगर पालिका ने अवैध कब्जा हटाया गया

कवर्धा (समय दर्शन)। नगर पालिका परिषद कवर्धा ने शुक्रवार को बड़ी कार्यवाई करते हुए शासकीय भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाया। एक कब्जाधारी ने बिना अनुमति बिल्डिंग तैयार कर ली थी, जबकि दूसरे ने टीन शेड का ढांचा खड़ा कर कब्जा कर लिया था। मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद कवर्धा ने कब्जा हटाने हेतु 12 सदस्यीय टीम का गठन किया था। गठित टीम ने मौके पर पहुंचकर बुलडोज़र चलवाया और जमीन को अतिक्रमणमुक्त कराया गया। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि भविष्य में किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

जानकारी के अनुसार एक व्यक्ति ने शासकीय भूमि पर अवैध रूप से बिल्डिंग तैयार कर ली थी, जबकि दूसरे व्यक्ति ने टीन शेड का अस्थाई स्ट्रक्चर खड़ा कर कब्जा जमा लिया था। दोनों ही अतिक्रमणकारियों ने किसी प्रकार की वैधानिक अनुमति नहीं ली थी, जबकि उक्त भूमि नगर पालिका की स्वामित्तव की है। नपा अधिकारियों ने बताया कि यह जमीन नगर पालिका की संपत्ति है जिसे अवैध रूप से घेरकर कब्जा किया गया था। लगातार मिल रही शिकायतों के आधार पर जांच की गई और आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई।

प्राय: देखा जा रहा है कि लोगों द्वारा नाली के उपर अतिक्रमण कर अपनी दुकान संचालित कर रहे हैं, जिससे साफ-सफाई में भी अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसके लिए अब नगर पालिका द्वारा नाली के उपर या शासकीय भूमि में किए अतिक्रमणकारियों को हटाने हेतु लगातार अभियान चलाया जाएगा। यह कार्यवाही नगर पालिका की टीम द्वारा राजस्व विभाग और पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में की गई। नगर पालिका परिषद ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी शासकीय भूमि पर अतिक्रमण करने से बचें और नगर की व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें।

नगर पालिका की राजस्व टीम ने की कार्यवाही- मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने अतिक्रमण हटाए जाने हेतु 12 सदस्यीय दल का गठन किया गया था। दल को बताया गया था कि वार्ड क्रं. 23 इंदिरा शॉपिंग काम्पलेक्स के पीछे अतिक्रमण/अवैध निर्माण दो व्यक्तियों द्वारा किया गया है, जिसे हटाए जाने हेतु उपअभियंता के साथ-साथ राजस्व टीम, सफाई टीम को शामिल कर सुबह 11 बजे कार्यवाही शुरू की गई। जिसमें शासकीय भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाया गया।

वेदांता समूह के खिलाफवायसराय के आरोपों की जांच के लिए दायर जनहित याचिका खारिज

बिलासपुर : उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को अमेरिका की वित्तीय शोध कंपनी वायसराय रिसर्च के वेदांता समूह की कंपनियों के खिलाफ लगाए गए आरोपों की जांच के आग्रह वाली जनहित याचिका को खारिज कर दिया। न्यायालय ने पूछा, भारत के बाहर की कंपनियां इस बात को लेकर इतनी चिंतित क्यों हैं कि हम अपना कामकाज कैसे चलाते हैं?

न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति ए एस चंदुरकर की पीठ ने शक्ति भाटिया नामक एक वकील की जनहित याचिका को खारिज कर दिया। इससे पहले वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने कहा था कि भाटिया अपनी याचिका वापस ले लेंगे। केंद्र, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि वायसराय रिसर्च एलएलसी एक शॉर्ट-सेलर है और याचिकाकर्ता सिर्फ 'मशहूर होना' चाहते हैं।

इसके बाद पीठ ने पूछा, भारत के बाहर की ये कंपनियां इस बात को लेकर इतनी चिंतित क्यों हैं कि हम अपना कामकाज कैसे चलाते हैं और किस कानून के तहत चलाते हैं?

मेहता ने उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर होने के तुरंत बाद वायसराय के सेबी चेयरमैन और अन्य अधिकारियों को लिखे गए एक ईमेल का हवाला देते हुए कहा कि इन संस्थाओं की ''बिल्कुल भी विश्वसनीयता नहीं है।

उन्होंने कहा, यह एक सुनियोजित तरीका है, जहां बाहरी एजेंसियां रिपोर्ट बनाती हैं और भारतीय शेयर बाजार को प्रभावित करती हैं शंकरनारायणन ने दलील दी कि याचिका में राहत के लिए जो अनुरोध है, वह बहुत सीमित है और इसमें केवल यह आग्रह किया गया है कि सेबी और आरबीआई आरोपों की जांच करें और आवश्यक कार्रवाई करें। शंकरनारायणन ने यह भी कहा कि वह वायसराय के तरीकों का समर्थन नहीं करते हैं और सिर्फ चिंताओं को दूर करना चाहते हैं, और सेबी बताई गई अनियमितताओं की जांच कर सकता है।

खेल शारीरिक विकास के साथ समग्र व्यक्तित्व निर्माण में भी अहम भूमिका निभाते हैं- भावना बोहरा

स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2025
(छ.ग.)

राज्यस्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में पांच खेलों से 440 खिलाड़ी पहुंचे।

कवर्धा (समय दर्शन)। जिले में चार दिवसीय 25वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2025 का शुभारंभ 10 अक्टूबर को स्वामी करपात्री जी स्टेडियम कवर्धा में हुआ। मुख्य अतिथि पंडरिया विधायक श्रीमती भावना बोहरा ने माँ सरस्वती के तैलचित्र के सामने दीप प्रज्ज्वलन किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, राजेन्द्र चन्द्रवंशी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेशी राम धुर्वे, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष संतोष पटेल, कलेक्टर गोपाल वर्मा सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं खेलप्रेमी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पंडरिया विधायक भावना ने कहा कि खेल केवल शारीरिक विकास का साधन नहीं है, बल्कि यह बच्चों के समग्र व्यक्तित्व निर्माण में भी अहम भूमिका निभाते हैं। उनके अनुसार, खेल बच्चों में अनुशासन, समय प्रबंधन, टीम भावना और आत्मविश्वास को विकसित करने का एक उत्कृष्ट माध्यम हैं। विधायक श्रीमती बोहरा ने कहा कि कबीरधाम जिले में इस स्तर की प्रतियोगिता का आयोजन होना न केवल जिले के लिए गर्व की बात है, बल्कि यह स्थानीय बच्चों को नए अवसरों और अनुभवों से रूबरू होने का अवसर भी प्रदान करेगा। इस प्रतियोगिता के माध्यम से युवा प्रतिभागी न केवल अपने खेल कौशल का प्रदर्शन करेंगे, बल्कि वे प्रतिस्पर्धा के माध्यम से सीखने और अपनी क्षमताओं को निखारने का अवसर भी पाएंगे। श्रीमती बोहरा ने यह भी कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं बच्चों के व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ जिले में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उन्हें इस अवसर का पूरा लाभ उठाना चाहिए और उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन करना चाहिए।

कलेक्टर गोपाल वर्मा ने कहा कि जिले में इस प्रकार की राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन होना जिले के लिए गर्व की बात है। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बच्चों को सर्वोत्तम अनुभव देने के लिए प्रशासन और खेल प्राधिकरण द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को सुनिश्चित किया गया है। इसमें आवास, परिवहन, चिकित्सा सुविधा, सुरक्षा और पर्याप्त पेयजल जैसी सभी सुविधाएँ शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य केवल खेल प्रतिभा को उभारना ही नहीं, बल्कि बच्चों को सामाजिक और मानसिक रूप से मजबूत बनाना भी है। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को समान अवसर और बेहतर सुविधा प्रदान करने का प्रशासन पूरा प्रयास कर रहा है, ताकि वे अपने प्रदर्शन पर पूरी तरह ध्यान केंद्रित कर सकें।

इस प्रतियोगिता में पांच खेल क्षेत्र बस्तर, बिलासपुर, दुर्ग, रायपुर और सरगुजा के कुल 440 खिलाड़ी (220 बालक और 220 बालिका) और 150 अधिकारी, स्टाफ सहित लगभग 590 प्रतिभागी शामिल हैं। प्रतियोगिता 10 अक्टूबर से 13 अक्टूबर 2025 तक चलेगी, जिसमें व्हॉलीबॉल (बालक, बालिका 17 वर्ष), सॉफ्टबॉल (बालक, बालिका 17 वर्ष) और हैंडबॉल (बालक, बालिका 19 वर्ष) की स्पर्धाएं आयोजित की जाएँगी। आयोजन के लिए कलेक्टर के मार्गदर्शन में विभिन्न खेल क्षेत्रों में आवास, परिवहन, चिकित्सा और पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। बालकों के लिए आवास की सुविधा स्वामी करपात्री शा.उ.मा. विद्यालय, स्वामी विवेकानंद हाईस्कूल, सत्तीवार्ड हाईस्कूल, प्रमुख प्राथमिक पाठशाला कवर्धा और शासकीय हाईस्कूल कैलाश नगर कवर्धा में, बालिकाओं के लिए सरस्वती शिशु मंदिर उ.मा. विद्यालय, स्वामी आत्मानंद रानी दुर्गावती चौक और हॉलीक्रॉस स्कूल कवर्धा में और अधिकारियों, कर्मचारियों के लिए जिला ग्रंथालय कवर्धा में उपलब्ध कराई गई है। जिला शिक्षा अधिकारी और सहायक जिला क्रीड़ा अधिकारी के निर्देशन में सभी व्यायाम शिक्षक प्रतियोगिता के सफल संचालन में अपनी अहम भूमिका निभा रहे हैं।

पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने किया 50 लाख रुपए के विकास एवं अधोसंरचना कार्यों का भूमिपूजन

कवर्धा (समय दर्शन)।

ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत परिवारों की सेवा एवं सुविधा के लिए पंडरिया विधायक भावना बोहरा निरंतर विकास कार्यों की सौगात क्षेत्रवासियों को दे रहीं हैं। इसी क्रम में शुर्क्रवार को विधायक भावना ने 49 लाख 52 हजार रुपए के विभिन्न विकास एवं अधोसंरचना निर्माण कार्यों का भूमिपूजन कर क्षेत्रवासियों को बधाई दी। इस दौरान उन्होंने गोरखपुर खुर्द, बनिया, डुमरिया, मजगांव एवं रणजीतपुर में सीसी रोड, पुलिया निर्माण, भवन एवं विद्यालय में अतिरिक्त कक्ष निर्माण जैसे विभिन्न विकास व अधोसंरचना निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। विधायक भावना ने कहा कि यह विकास कार्य ही समृद्ध पंडरिया की आधारशिला है। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में उपेक्षित पंडरिया विधानसभा डबल इंजन भाजपा सरकार के सुशासन में निरंतर विकास पथ पर अग्रसर हो रहा है।

खासकर हमारे ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत परिवारों के जीवन को सुगम बनाने और उनकी समस्याओं का निराकरण मूलभूत सुविधाओं, विकास व अधोसंरचना निर्माण कार्यों, स्वच्छता, सौन्दर्यीकरण एवं अति आवश्यक जरूरतों सड़क, बिजली, पानी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित हो रही है। आज गाँव-गाँव में प्रकाश व्यवस्था से हर गली रोशन हो रही है। पंडरिया विधानसभा में निरंतर विकास कार्यों की सौगात मिल रही है। विकास कार्य जमीनी स्तर पर दिखाई दे रहें हैं वहीं केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं का सीधा लाभ आम जनता को मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि आज हमारे प्रदेश में पूर्ण पारदर्शिता के साथ विकास और अधोसंरचना निर्माण के कार्य तेजी से पूरे किये जा रहें हैं और साधन एवं संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित होने से हमारे ग्रामीण क्षेत्रों की आर्थिक प्रगति सुनिश्चित हुई है। हमें पूरा विश्वास है कि आज इन सभी विकास कार्यों से ग्रामवासियों को सुविधा मिलेगी और हमारा लक्ष्य एवं प्रयास भी यही है कि जनता की समस्याओं का समाधान कर विकास व उनका सशक्तिकरण करना। आज महिला, युवा, किसान और वृद्धजन सबके सशक्तिकरण एवं सम्मान के लिए योजनाओं का क्रियान्वयन हो रहा है जिससे उनके जीवन में आए सकारात्मक परिवर्तन स्पष्ट रूप से दिख रहे हैं। यह सभी योजनाएं और निर्माण कार्य हमारे ग्रामीण क्षेत्रों के विकास एवं जनता की सुविधाओं का विस्तार करने में बहुमूल्य भूमिका निभा रहे हैं और आने वाले समय में भी हम जनता की सुविधा और क्षेत्र की प्रगति के लिए अपने प्रयासों को निरंतर जारी रखेंगे।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता,
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड राजेन्द्र पार्क चौक, दुर्ग (छ.ग.)
दूरभाष क्र. 0778-2323633, E-mail:eedurg-phe-cg@nic.in

//ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना//
(जोखिम एवं व्यय पर)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से लोक निर्माण विभाग छ.ग. शासन में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत "डी एवं उच्च" श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से प्रपत्र "ए" में प्रतिशत दर पर दुर्ग जिले के विकासखंड पाटन के निम्नलिखित ग्राम में जल जीवन मिशन अंतर्गत सिंगल विलेज/रेट्रोफिटिंग योजनांतर्गत विभिन्न कार्य हेतु ऑनलाईन (online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्रमांक	नि.सू.क्र./दिनांक	सिस्टम क्रमांक	विकासखंड	ग्राम का नाम	अनुमानित लागत (रू. लाख में)
1	07/07.10.2025	177176	पाटन	गातापार	13.94
2	08/07.10.2025	177178	पाटन	सांतरा	24.05
3	09/07.10.2025	177180	पाटन	खम्हरिया (पी)	45.43

नोट :-उपरोक्त कार्यो की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबपोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in दिनांक 11.10.2025 से देखे जा सकते है तथा बिड सबमिशन की अंतिम तिथि दिनांक 27.10.2025 है।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यंत्रिकी खण्ड,
दुर्ग (छ.ग.)

G-252604039/1

संक्षिप्त-खबर

मध्य ब्लॉक कांग्रेस दुर्ग का वोट चोरी के खिलाफ हस्ताक्षर अभियान जोरो पर

दुर्ग (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर पूरे प्रदेश में वोट चोरी के खिलाफ हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है इसके तहत आज मध्य ब्लॉक कांग्रेस कमेटी दुर्ग की बैठक राजीव भवन दुर्ग आयोजित की गई।

देखा गया कि हमारा लोकतंत्र हर वोट की शक्ति पर टिका है आज यह नीव ही खतरे में है।देखा गया कि अलग-अलग विधानसभाओं में मतदाता सूचियां में लाखों प्रविष्टियां अधूरी है जिसमें सही तस्वीर नहीं है।कई प्रविष्टियां डुप्लीकेट पाई गई और लाखों नाम सूचियां से गायब है इसके खिलाफ राष्ट्रव्यापी हस्ताक्षर अभियान कराया जा रहा है और पारदर्शिता जवाब देही को तुरंत सुधारात्मक कदम उठाने की मांग चुनाव आयोग से की जा रही है। मध्य ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले 12 वार्डों के कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया की नागरिकों के बीच जाकर वोट चोरी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में हजारों की संख्या में नागरिकों से हस्ताक्षर करायेंगे।

बैठक में पूर्व महापौर आर एन वर्मा,मध्य ब्लॉक कांग्रेस कमेटी दुर्ग के अध्यक्ष अलताफ अहमद,झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ दुर्ग के अध्यक्ष सुमित घोष,पार्षद अश्विनी निषाद,पूर्व पार्षद अशोक मेहरा,भोला महोबिया,आनंद कपूर ताम्रकार,शत्रुघ्न चक्रधारी,मीना मानिकपुरी, फिरोज खान,बृजमोहन तिवारी,आनंद श्रीवास्तव,दुष्यंत देवांगन,अलख नवरंग,राहुल शर्मा,राजकुमार वर्मा,अली असगर,रत्ना नारमदेव, चंद्रशेखर पारख उपस्थित थे।

महिला हितैषी ग्राम पंचायत विषय पर महिला सरपंचों का दो दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

जिला पंचायत संसाधन केन्द्र
मांझीपदर - दन्तेवाड़ा
जिला- दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.)

दंतेवाड़ा । जिला पंचायत संसाधन केंद्र - दंतेवाड़ा में महिला सशक्तिकरण एवं पंचायतों को महिला हितैषी बनाने के उद्देश्य से दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में जिले के जनपद पंचायत- गीदम के विभिन्न ग्राम पंचायतों की महिला सरपंचों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्राम पंचायत स्तर पर जेंडर समानता की समझ विकसित करना तथा निर्णय प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी को सशक्त बनाना था।

प्रशिक्षण के दौरान जेंडर, जैविक लिंग और पितृसत्ता, कार्यों का जेंडर आधारित विभाजन, महिलाओं की सामाजिक भूमिका एवं अधिकार, तथा महिला हितैषी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

विशेषज्ञों ने बताया कि जेंडर समानता केवल महिलाओं का मुद्दा नहीं, बल्कि पूरे समाज की प्रगति से जुड़ा हुआ है।

प्रशिक्षण के दूसरे दिन सहभागी सरपंचों ने समूह कार्य के माध्यम से यह साझा किया कि पंचायत स्तर पर किस प्रकार महिला हितैषी निर्णय लिए जा सकते हैं, जैसे — महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाना, स्वास्थ्य एवं शिक्षा सेवाओं की सुलभता, तथा पंचायत बैठकों में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना।

कार्यक्रम में संसाधक के रूप में जेंडर विशेषज्ञ, जिला संकाय सदस्य, पीरामल फाउंडेशन के कर्मचारी एवं पंचायत विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर प्रतिभागी महिला सरपंचों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए तथा ग्राम पंचायतों को महिला हितैषी बनाने हेतु ठोस कदम उठाने का संकल्प लिया गया।

बसना पिथौरा मे भाजयुमो प्रदेशाध्यक्ष राहुल योगराज टिकरिहा का भव्य स्वागत

- गढ़फुलझर मंडल के युवाओं में उत्साह, क्षेत्रीय विकास को लेकर हुई सार्थक चर्चा

बसना (समय दर्शन)। भारतीय जनता युवा मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष राहुल योगराज टिकरिहा के महासमुंद जिले में प्रथम आगमन पर बसना विधानसभा क्षेत्र के बसने पिथौरा सहित गढ़फुलझर मंडल के युवा नेता स्वप्निल तिवारी,प्रकाश सिन्हा, कामेश बंजारा,कमलेश डडसेना,अरविंद मिश्रा, परमानंद (गोलू) साहू एवं योगेश साहू भाजयुमो उपाध्यक्ष मंडल गढ़फुलझर ने अपने साथियों के साथ भव्य स्वागत किया।

प्रदेशाध्यक्ष के आगमन को लेकर क्षेत्र के भाजपा एवं युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखा गया। परमानंद साहू के नेतृत्व में स्वागत जत्था ने पुष्पमालाओं से उनका अभिनंदन किया और जयघोषों से पूरा माहौल गूंज उठा।

इस अवसर पर परमानंद साहू ने प्रदेशाध्यक्ष से क्षेत्र के युवाओं के लिए रोजगार, संगठन सशक्तिकरण और स्थानीय विकास कार्यों को लेकर विस्तृत चर्चा की। जिस पर श्री टिकरिहा ने कहा कि, महासमुन्द जिला के बसना विधानसभा के गढ़फुलझर सहित सभी मण्डल के युवा मोर्चा के युवाओं को संगठन से जोड़कर नई ऊर्जा और दिशा दी जाएगी।

प्रदेशाध्यक्ष राहुल योगराज टिकरिहा ने स्वप्निल तिवारी,प्रकाश सिन्हा, कामेश बंजारा, अरविंद मिश्रा, कमलेश डडसेना, परमानंद साहू और सभी कार्यकर्ताओं के उत्साह की सराहना की तथा पार्टी संगठन को और मजबूत करने का आह्वान किया।

पिथौरा सरायपाली सहित अनेक जनपद CEO एवं अधिकारियो का तबादला

महासमुन्द(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने शुक्रवार को बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए राज्य भर में पदस्थ कई अधिकारियों के तबादले के आदेश जारी किए। इस आदेश के तहत 13 जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों (ष्टश्वह्र) का स्थानांतरण किया गया है। इसके साथ ही 14 विकास विस्तार अधिकारियों, 3 संयुक्त आयुक्त, 6 सहायक परियोजना अधिकारी तथा 8सहायक विकास विस्तार अधिकारियों का तबादला किया गया है ।इसी तरह कुल 44अधिकारी इधर से उधर हुए है। छत्तीसगढ़ मे जनपद सीईओ और परियोजना अधिकारियों का तबादला:

सरायपाली-पिथौरा बलौदाबाजार समेत कई जनपदों के सीईओ व परियोजना अधिकारी बदले गए हैं ।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने सितंबर 2025 में बड़े पैमाने पर तबादले किए हैं। जारी आदेशों के तहत मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ), विकास विस्तार अधिकारी (वीवीए), सहायक परियोजना अधिकारी (एपीओ) और सहायक विकास विस्तार अधिकारी (एसडीवीए) समेत अनेक अधिकारियों का प्रशासनिक आधार पर स्थानांतरण किया गया है। आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हैं और सभी अधिकारियों को 10 दिनों के भीतर नए पदस्थापना कार्यालय में कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। इन तबादलों को मुख्यमंत्री की सहमति प्राप्त है। पिथौरा सरायपाली सहित कई जनपद प्रभावित पिथौरा (महासमुंद)सीईओ सी.पी. मनहर को जनपद पंचायत पिथौरा से स्थानांतरित कर सीमगा (जिला बलौदाबाजार) के लिए पदस्थ किया गया। उनकी जगह सुश्री योगेश्वरी बर्मन (पूर्व में धरसीवां, रायपुर) को पिथौरा भेजा गया है।

सरायपाली (महासमुंद) प्रकाश मेश्राम(पूर्व में साजा, बेमेतरा) को सरायपाली का सीईओ बनाया गया है। वहीं अमित हलदार, जो वीवीए, विकास विस्तार अधिकारी जनपद पंचायत सरायपाली थे, उन्हें एपीओ, जिला पंचायत मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी पदस्थ किया गया है।

दिवाली पर अग्नि सुरक्षा : पटाखा दुकानदारों के लिए जिला सेनानी ने जारी की सख्त एडवाइजरी, नियम उल्लंघन पर होगी कार्रवाई

अग्निशमन आपातका
दुर्ग
788.2320120,

दुर्ग (समय दर्शन)। आगामी दीपावली पर्व के मद्देनज़र जिले में संभावित अग्नि दुर्घटनाओं को रोकने के लिए, जिला सेनानी नागेन्द्र कुमार सिंह ने सुरक्षा को लेकर एडवाइजरी जारी की हैं।

जिला सेनानी द्वारा स्पष्ट किया गया है कि जिले में संचालित समस्त स्थायी/अस्थायी पटाखा दुकानों में जांच के दौरान इन नियमों का पालन नहीं करने पर छत्तीसगढ़ अग्निशमन एवं आपातकालीन नियमावली 2021 के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पटाखा दुकानदारों को इन नियमों का पालन करना अनिवार्य : जारी निर्देश में कहा गया है कि पटाखों की दुकानें अज्वलनशील सामग्री जैसे टिन शेड से ही बनाई जाएं और कपड़ा, बांस, रस्सी या टेंट जैसे ज्वलनशील पदार्थों का उपयोग पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा।

सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी दुकानें एक-दूसरे से कम से कम तीन मीटर की दूरी पर हों और वे आमने-सामने न हों। दुकान के अंदर तेल के लैंप, गैस लैंप या खुली बिजली बत्ती का उपयोग करने की सख्त मनाही है।

बिजली के तारों में कोई खुला ज्वाइंट नहीं होना चाहिए और शॉर्ट सर्किट की स्थिति से बचने के लिए प्रत्येक मास्टर स्विच में फ्यूज या सर्किट ब्रेकर लगा होना अनिवार्य है। इसके अलावा, दुकानें ट्रांसफार्मर के पास न हों और उनके ऊपर से हाई टेंशन पावर लाइन नहीं गुजरनी चाहिए। आग बुझाने की तैयारियों पर जोर देते हुए विभाग ने कहा है कि प्रत्येक दुकान में 5 च्.त्. क्षमता का ष्टह्र्क्क अग्नि शामक यन्त्र रखना अनिवार्य है। साथ ही, दुकानों के सामने कुछ अंतराल पर बाल्टियों के साथ 200 लीटर क्षमता के पानी के ड्रम की व्यवस्था होनी चाहिए।

किसी भी दुकान से 50 मीटर के दायरे में आतिशबाजी प्रदर्शन प्रतिबंधित होगा और दुकानों के सामने ग्राहकों के लिए बाइक या कार की पार्किंग भी प्रतिबंधित रहेगी। आपातकालीन स्थिति में अग्निशमन वाहन के मूवमेंट के लिए पर्याप्त जगह होनी चाहिए और दुकान परिसर में अग्निशमन विभाग एवं एम्बुलेंस के फोन नंबर प्रदर्शित किए जाने चाहिए।

बटोगे तो कटोगे के बाद, चाटने और काटने की बात

बिलासपुर, 12 अक्टूबर 2025। विवादास्पद बयान देने के लिए विख्यात भारतीय जनता पार्टी के लाडले नेता अजय चंद्राकर ने एक बार फिर से अपने आका को खुश करने की कोशिश की। इस बयान को उन्हें संभावित मंत्रिमंडल में शामिल होने से जोड़कर भी देखा जा सकता है। अजय चंद्राकर जो विधानसभा में अपनी ही पार्टी के सरकार को घेरने में लगे रहते हैं। आज बिलासपुर में कहा कि कांग्रेस के नेता दिल्ली स्थित एक परिवार की चाटने और काटने में लगे रहते हैं। कभी महिलाओं की बेज्जती और उत्पीड़न के लिए नाम कमा चुके अजय चंद्राकर ने आज जब यह कहा तो कांग्रेस के नेताओं ने उन्हें अच्छी खरी खोटी सुनाई।

युवा नेता टाकेश्वर पाटले ने कहा कि ये वे ही नेता है जो अपने दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के अस्ति कलश के पास बैठकर हंसते हुए दिखाई दे रहे थे। काटने की बात पर उन्होंने कहा कि अपने ही पार्टी के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, सिकंदर बक्स को जिस तरह काटा उसे पर पहले जवाब देते। चाटने में भाजपाइयों का इतिहास काफी समृद्ध है और पिछले 14 वर्ष से एक नान बायोलॉजिकल आदमी की जयकारा चाटने की अद्भुत मिसाल है। सनातन संस्कृति का यश गान करने वाली और दलित विरोधी मानसिकता वाले से कांग्रेस को कुछ नहीं सीखना। अजय चंद्राकर के चाटने काटने वाले बयान बटोगे तो कटोगे के समान घोर विवादित हो रहा है। ऐसा समझा जा रहा है कि अपनी ही पार्टी में हासीये पर पड़े चंद्राकर कुछ भी करके लाइमलाइट में आना चाहते हैं।

एनएमडीसी किरंदुल परियोजना को मिला प्लेटिनम अवार्ड

दंतोड़ा किरंदुल (समय दर्शन)। एनएमडीसी की ृहद एं महत्पूर्ण लौह अयस्क खान,किरंदुल कॉम्पलेक्स के रीन्द्र नारायण अधिशासी निदेशक के कुशल निर्देश में किरंदुल परियोजना की खदानों,आासीय कॉलोनियों,पार्को में पर्यारण संतुलन एंृहद्ृक्षारोपण और पर्यारण जागरूकता अभियान जैसे पर्यारणीय क्षेत्रों कई उल्लेखनीय कार्य किए गए हैं।इसी परिप्रेक्ष्य में देहरादून (उत्तराखंड) में आयोजित फेम नेशनल आर्ड-2025 समारोह में किरंदुल परियोजना को पर्यारणीय क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों की उत्कृष्टता के लिए प्लेटिनम आर्ड से सम्मानित किया गया।यह आर्ड परियोजना की ओर से अनीश शर्मा उप महाप्रबंधक (पर्यारण) ने ग्रहण किया। प्राप्त आर्ड को किरंदुल में परियोजना प्रमुख रीन्द्र नारायण अधिशासी निदेशक को सौंपा गया।इस असर पर केपी सिंह मुख्य महाप्रबंधक (उत्पादन),एस के कोचर महाप्रबंधक (खनन), डीआर ेकटेश्र्लू उप महाप्रबंधक उपस्थित थे। आर्ड प्राप्त होने पर परियोजना प्रमुख रीन्द्र नारायण ने खुशी जाहिर करते हुए सभी अधिकारियों कर्मचारियों को हार्दिक बधाई दी।

मिट्टी के दिए के बगैर अधूरी है दिवाली

बिलासपुर, 12 अक्टूबर 2025। तमाम इलेक्ट्रिकल इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के बावजूद दिवाली आए और मिट्टी के दिये की बात ना हो, बाजार न सजे यह संभव नहीं मिट्टी के दिये के बगैर दिवाली अधूरी है पर अब इन दियों पर महंगाई की छाया पड़ गई लगती है। बाजार में राजस्थान से आए हुए दिए व्यापारी जगदीश बताते हैं। वह 18 वर्ष से लगातार बिलासपुर आ रहे हैं और सीएमडी चौक के आगे उनकी दुकान लगती है। शहर के बहुत से दिया व्यापारी उनसे ही माल खरीद कर ले जाते हैं।?20 के 12 दिये छोटे और बड़ा दिया ?20 का एक चिल्लर में अब यही दाम है। उन्होंने बताया कि राजस्थान में अलवर की मिट्टी इस तरह के काम के लिए बहुत अच्छी है। इन दियो से तेल का रिसाव नहीं होता दूसरी ओर स्थानीय दिये हैं और यह मुख्त: गोल बाजार क्षेत्र, लाल बहादुर शास्त्री स्कूल के पास बिक्री के लिए उपलब्ध होते हैं। इन पर भी महंगाई की छाया दिखाई देती है शायद तेल का बढ़ता दाम भी एक कारण है की अब दिया उतना ही लिया जाता है जो पूजा और मुख्य दरवाजे के आसपास प्रज्वलित करना जरूरी है। शहर में सबसे ज्यादा दिए की दुकानें मुंगेली नाका क्षेत्र में देखी जा सकती है और धनतेरस के एक-दो दिन पहले से छोटे व्यापारियों का ग्रामीण क्षेत्र से आना भी बढ़ेगा तब दाम में कुछ नरमी आएगी।

संभाग स्तरीय स्काउट गाइड राज्य पुरस्कार जांच परीक्षा शिविर सम्पन्न

- चतुर्थ दिवस महाशिविर ज्वाल
- पंचम दिवस ध्वज अवतरण के साथ अलविदा फिर मिलेंगे कार्यक्रम के साथ शिविर का समापन

महासमुन्द (समय दर्शन)। संभाग स्तरीय स्काउट्स एवं गाइड्स राज्य पुरस्कार जांच शिविर संजय कानन के पास बागबाहरा रोड महासमुन्द में दिनांक 07.10.2025 से दिनांक 11.10.2025 तक, चतुर्थ दिवस महाशिविर ज्वाल कार्यक्रम में इन्द्रजीत सिंह खालसा(गोल्डी) राज्य मुख्य आयुक्त, मुख्य अतिथि, एवं येतराम साहू अध्यक्ष जिला स्काउट्स एवं गाइड्स संघ महासमुन्द की अध्यक्षता, विशिष्ट अतिथि गण निखिल कांत साहू अध्यक्ष, नगरपालिका परिषद महासमुन्द, डॉ विमल चोपड़ा पूर्व विधायक, देवीचंद राठी उपाध्यक्ष नगरपालिका परिषद महासमुन्द, संदीप दीवान जिलाध्यक्ष रेडक्रॉस सोसायटी, जय पवार, आनंद साहू, सुधा साहू उपाध्यक्ष जिला स्काउट्स एवं गाइड्स संघ महासमुन्द , पारस चोपड़ा, पंकज चन्द्राकर जिलाध्यक्ष एथलेटिक्स संघ, अरुण साहू, महेन्द्र सिक्का, शारद मराठा, नंदकिशोर सिन्हा सहायक संचालक, अंजलि बरमाल जिला क्रीडा अधिकारी आदि अतिथियों के करकमलों से ज्वाल प्रज्ज्वलित कर महाशिविर ज्वाल का सुभारम्भ हुआ। सम्भाग से महासमुन्द, गरियाबंद, धमतरी व बलौदाबाजार जिला स्काउट गाइड के साथ सर्विस रोवर रेंजर द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर अतिथियों के साथ सभी का भरपूर मनोरंजन कर सभा को आनन्द मय बना दिये। मुख्य अतिथि इन्द्रजीत खालसा, अध्यक्षता येत राम साहू, विशेष अतिथि निखिलकान्त साहू ने अपने सम्बोधन में सभी स्काउट गाइड को बधाई देते हुये सभी की सफलता की शुभकामनाएं दिए। अंतिम पंचम दिवस प्रात: 7.00बजे सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन आदरणीय जय पवार जिला उपाध्यक्ष के आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। 10.30बजे समापन समारोह में जिला संघ महासमुन्द के द्वारा सभी प्रतिभागियों के लिए अतिथियों द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। समापन समारोह में येतराम साहू अध्यक्ष, जिला स्काउट्स एवं गाइड्स संघ महासमुन्द, एस चन्द्रसेन, जय पवार, आनंद साहू जिला उपाध्यक्ष त्रय, पंकज चन्द्राकर, पटेल पार्षद वार्ड नंबर 10, टी के एस परिहार राज्य पर्यवेक्षक, मधु तिवारी, पूनमसिंह साहू, मुख्य परीक्षक, संतोष कुमार साहू शिविर संचालक, रामकुमार साहू मुख्यालय आयुक्त, लीलिमा साहू शिविर संचालक, गिरीश पाढ़ी सहायक, ईनू राम वर्मा सहायक, शैलेन्द्र कुमार नायक कार्यालय सहायक, लीनू चन्द्राकर डी ओ सी गाइड, प्रमोद कुमार कन्नौजे जिला सचिव, अवधेश विश्वकर्मा डी ओ सी स्काउट, लता वैष्णव स्थानीय संघ सचिव एवं अन्य अतिथियों एवं दौलत कुमार देवांगन धमतरी, नीरज शर्मा व बसन्त कोसले बलौदाबाजार, लुकेश्वर प्रधान गरियाबंद की उपस्थिति में ध्वज अवतरण पश्चात राष्ट्र गान और अंतिम में अलविदा फिर मिलेंगे कार्यक्रम के साथ उदघोष के साथ समापन हुआ। उक्त विज्ञप्ति प्रमोद कन्नौजे जिला सचिव एवं तुलेन्द्र सागर जिला मीडिया प्रभारी द्वारा दिया गया।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26